यूको अंगिका

भागलपुर

यूको बैंक मना रहा है 77 गौरवपूर्ण वर्ष 1943-2020

कोरोना के कर्मवीर

विशेषांक

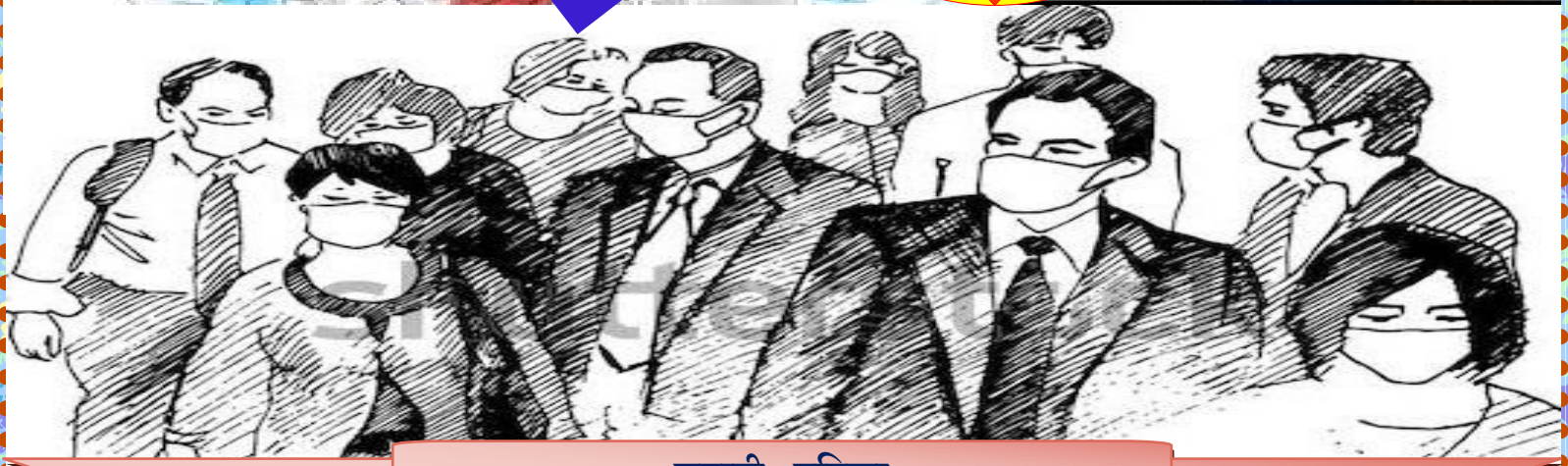

छमाही - पत्रिका

अंक – (अक्टूबर 2019 - मार्च 2020) (संयुक्तांक)

यूको बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) UCO BANK (A Govt. of India Undertaking)

सम्मान आपके विश्वास का Honours Your Trust

यूको बैंक
(भारत सरकार का उपक्रम)
UCO BANK
(A Govt. of India Undertaking)
सम्मान आपके विश्वास का
HONOURS YOUR TRUST

यूको अंगिका भागलपुर

सक्षम हैं हम, जीतेंगे हम

कोरोना के कर्मवीर

आपात की इस स्थिति में बैंकिंग को आवश्यक सेवा घोषित किए जाने के उपरांत अंचल की शाखाओं मे कार्यरत कर्मियों तथा विभिन्न कार्यालयों के स्टाफ सदस्यों के द्वारा किए गए कार्यों का प्रदर्शन व विभिन्न गतिविधियों का चित्रण

प्रकाशन की तिथि
11 मई 2020

संरक्षण
श्री सुभाष चन्द्र मोहापात्रा
उप महाप्रबंधक व अंचल प्रमुख

मार्गदर्शन
श्री निरूपम कुमार राय
उप अंचल प्रबंधक

सहयोग
अंचल कार्यालय के सभी सदस्यगण

परिचय

यूको अंगिका का यह विशेषांक, बैंक के उन कर्मवीरों को समर्पित है, जो कोविड-19 नामक वैश्विक महामारी मे भी अपने कर्तव्यपथ पर सरकार के दिशानिर्देशों का अनुपालन कर रहे है| कोरोना नामक वैश्विक महामारी संपूर्ण विश्व पटल पर अपना कुप्रभाव बिखेर रही है, जिससे मानव जाति अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है| आपदा की इस घड़ी मे देश के आर्थिक योद्धा अर्थात बैंकर, जन-सामान्य के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है| एक ओर जहां बैंकर वित्तीय मामलों से संबंधित अपने ग्राहकों की प्रत्येक समस्याओं का निवारण कर रहें है, वही दूसरी ओर सरकार की बहुआयामी जन-कल्याण योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने का हर संभव प्रयास भी कर रहें है | सुदूर ग्रामीण क्षेत्र हो या शहर का व्यस्ततम ईलाका, प्रत्येक जगह बैंक अपनी शाखा तथा ग्राहक सेवा केन्द्रों के माध्यम से सरकार द्वारा दी जाने वाली आर्थिक राहत पैकेज की राशि के वितरण के साथ-साथ समाज के प्रति अपने दायित्वों के निर्वहन की दिशा मे मास्क , ग्लबस , राहत सामाग्री इत्यादि का वितरण करते हुए लोगो को महामारी के संक्रमण से सुरक्षा हेतु जागरूक भी कर रहे है | वैश्विक आपदा की इस घड़ी मे सम्पूर्ण विश्व मे लॉक डाउन की स्थिति बनी हुई है तथा सरकार द्वारा घोषित देशव्यापी बंदी के तीनों चरणों मे मुख्य रूप से भूमिका निभाने वाले चिकित्सक, पुलिसकर्मी तथा सफाईकर्मियों की भूमिका यथोचित सराहनीय है अपितु इस तथ्य को अनदेखा नहीं किया जा सकता कि वित्तीय स्थिरता प्रदान करने की दिशा मे हम बैंकरो का योगदान भी उत्साहवर्धक एवं अतुलनीय रहा है |

अत: इस वैश्विक हामारी के संक्रमण काल मे देशहित मे समर्पित आगामी पंक्ति मे कार्यरत बैंकरों के जज्बे को सलाम करते हुए इस पत्रिका को रूप-रेखा प्रदान की जा रही है |

जो बचा रहे है कोरोना वायरस से देश की जान,
आइए मिलकर करें, इन कोरोना के योद्धाओं का सम्मान !

***

पत्राचार का पता

अंचल कार्यालय भागलपुर ,एस. के. तरफ़दार रोड , आदमपुर चौक , भागलपुर -812001
दूरभाष 0641-2301752,2302086 ईमेल- zo.bhagalpur@ucobank.co.in

यूको बैंक
(भारत सरकार का उपक्रम)
UCO BANK
(A Govt. of India Undertaking)
सम्मान आपके विश्वास का
HONOURS YOUR TRUST

यूको अंगिका भागलपुर
कोरोना के कर्मवीर (विशेषांक)

अंक : अक्टूबर 2019 - मार्च 2020 (संयुक्तांक)

सक्षम हैं हम, जीतेंगे हम

कोरोना के कर्मवीर
विशेषांक

अंचल कार्यालय भागलपुर से प्रकाशित की जाने वाली नियमित पत्रिकाएं

यूको दैनिकी
सभी कार्यदिवसों में

यूको मासिकी
मासिक आधार पर

यूको अंगिका
छमाही आधार पर

विषय - सूची

- अंचल प्रबंधक की कलम से - 4
- उप अंचल प्रमुख का सन्देश - 5
- सम्पादकीय - 6
- क्या नाम दूँ (कविता) - 7
- अंचल की गतिविधियां - 7-11
- कोरोना के कर्मवीरों की गतिविधियां - 12-13
- भागलपुर अंचल के शाखाओं के कारोबार में वृद्धि के आंकड़े - 14-16
- अपनी भाषा सुधारिए अभियान - 17
- सुर्खियां - 18
- मै हूँ बैंकर (कविता) - 19
- कुछ योजनाएँ, कुछ बदलाव - 20-21
- शाखाओं मे सामाजिक दूरी का अनुपालन - 22-25
- अनर्जक आस्तियों की वसूली हेतु माओ का प्रदर्शन - 24
- बांका शाखा के स्टाफ सदस्यों द्वारा मास्क का वितरण - 26
- आरोग्य सेतु एप्प - 27
- शाखाओं /कार्यालयों के कर्मियों द्वारा राहत सामग्री का वितरण- 28 –29
- क्या कहते है... अनुभवी चिकित्सक - 30-34
- क्या करें, क्या न करें..... - 35-36
- यूको बैंक मित्र - 37
- अर्थव्यवस्था और बैंकिंग के बदलते परिदृश्य में हिंदी भाषा की भूमिका 38-44

अंचल प्रबंधक की कलम से

साथियों,

भागलपुर अंचल की छमाही पत्रिका **यूको अंगिका** के विशेषांक के माध्यम से आपको संबोधित करते हुए प्रसन्नता हो रही है| यह पत्रिका आप तक अन्य साधनों के साथ-साथ संदेश - प्रेषण का माध्यम बने ऐसी मेरी अभिलाषा है | मेरे लिए यह हर्ष की बात है कि बैंक के शीर्ष प्रबंधन द्वारा पदोन्नति के उपरांत भी मुझे हिंदी भाषी बहुल भागलपुर अंचल में बतौर अंचल प्रबंधक नियुक्त किया है। इसे मैं एक अवसर के रूप में देखते हुए बैंक-हित में एक टीम के रूप में परस्पर कार्य करना चाहूँगा। इस हेतु आप सभी से पूर्ववत सहयोग की अपेक्षा रहेगी। मेरा मानना है कि किसी भी संस्था के निरंतर प्रगति में उस संस्था के सभी घटकों का विशेष योगदान होता है। हम ऐसे दौर से गुजर रहे हैं जहाँ अपूर संभावनाओं के साथ-साथ चुनौतियाँ भी हैं।

दोस्तों, बैंकिंग की अपनी प्राथमिकताएँ है और इन प्राथमिकताओं को पूरा करने मे हम सभी अति-व्यस्त होते है, और अपनी व्यस्तताओं मे हम भूल जातें है कि जीवन का प्रत्येक क्षण हमारे लिए महत्वपूर्ण है और सबसे महत्वपूर्ण तो ये जीवन है और जब जीवन पर संकट आ जाए तो सभी प्राथमिकताएं पीछे छूट जाती है| वर्तमान समय मे कोविड-19 से उत्पन्न विश्वव्यापी संकट ऐसी ही परिस्थितियाँ लेकर हमारे सामने खड़ा है | कोविड-19 से संक्रमण से सुरक्षा हेतु देशव्यापी बंदी ने हमारी अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव डाला है | समस्त देशवासी, केंद्र व राज्य सरकारें , स्थानीय निकाय , निजी एजेंसियां अन्य सभी कोरोना से लड़ने मे लगी है जिससे जितना बन पा रहा है , यथासंभव सहयोग कर रहें है | बैंकिंग को आवश्यक सेवा घोषित किए जाने के उपरांत एक बैंकर के तौर पर हमारी जिम्मेवारी एक आम नागरिक से दुगुनी हो जाती है | हमारे बैंक के कर्मचारियों ने अपने वेतन के कुछ अंश पीएम केयर्स फ़ंड मे समर्पित करने के साथ-साथ कोरोना से प्रभावित लोगो के बीच मास्क, सेनीटाइज़र, राहत सामग्री इत्यादि भी वितरित किए है| इस प्रयास मे अंचल के प्रत्येक बैंकर का छोटा से छोटा योगदान भी महत्वपूर्ण है |

वर्तमान समय मे सरकार के बहुआयामी जन-कल्याण योजनाओं के कार्यान्वयन के साथ साथ हमारी यह भी महत्वपूर्ण जिम्मेवारी है कि बैंक द्वारा **कोविड –19 से प्रभावित अर्थव्यवस्था के सहयोग के उदेश्य से चलायी जा रही "यूको सहयोग" योजना से अधिक से अधिक ग्राहकों को लाभान्वित किया जाए|**

बैंकिंग के वर्तमान परिदृश्य से हम भली-भांति अवगत हैं। इस स्थिति में हमें बैंक की उन्नति के लिए और अधिक मेहनत करने की आवश्यकता है। प्रधान कार्यालय द्वारा समय समय पर विभिन्न प्रकार के कारोबारी लक्ष्य प्रदान किए जाते हैं। किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति में प्रत्येक घटक का योगदान रहता है। अगर शाखावार प्रदर्शन की बात करें तो कुछ शाखाओं का प्रदर्शन बहुत ही अच्छा रहता है, जबकि कुछ शाखाओं का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रह पाता। शाखा का प्रदर्शन विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है और हर क्षेत्र में संभावनाएं एक जैसी नहीं होती, इस तथ्य के होते हुए भी, यह भी सत्य है कि प्रत्येक मापदंडों में शून्य की संभावना भी नहीं होती। अभी हम वर्तमान वित्तीय वर्ष के आरंभ मे हैं| लक्ष्यों की प्राप्ति एवं बैंकिंग व्यवसाय में बेहतर परिणाम हेतु हमें पूर्ण रूप से दृढ़ संकल्पित होना है | अतः यह आवश्यक है कि हम इस तिमाही का सार्थक उपयोग कर अपनी वित्तीय स्थिति में पर्याप्त सुधार लाएं | छोटे – छोटे प्रयास भी अहम होते हैं। उम्मीद करता हूँ कि आपलोग चालू वित्त वर्ष मे लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु एक रणनीति के तहत प्रयासरत होंगे। आप अपने स्तर पर प्रयास करें, हम आपको सभी प्रकार का सहयोग समर्पित करने हेतु तत्पर हैं।

अंत में यह कि, काम करना जितना जरूरी है, उतना ही नियमों का पालन करना भी जरूरी है। आप सभी सक्षम हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि आप सभी हर कार्यक्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। आशा है कि हम वित्तीय वर्ष 2020-21 मे आप समय का सदुपयोग कर लक्ष्यों को निश्चित रूप से प्राप्त कर लेंगे और ग्राहकों के विश्वास का सम्मान करते हुए आगामी समय में एक सर्वोच्च बैंकिंग संस्था के रूप में उभरेंगे |

हार्दिक शुभकामनाओं एवं पूर्ण सहयोग के अभिलाषा सहित.....

सुभाष चन्द्र मोहापात्रा
(अंचल प्रबंधक)

उप अंचल प्रमुख का सन्देश

प्रिय साथियों,

भागलपुर अंचल की छमाही पत्रिका का **कोरोना के कर्मवीर (विशेषांक)** जारी करते हुए अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है | यह पत्रिका अंचल की गतिविधियों को व्यक्त करने का उत्तम माध्यम है , आप अधिक से अधिक सहभागिता कर अंचल कार्यालय से प्रकाशित की जाने वाली छमाही तथा मासिकी पत्रिकाओं को उत्कृष्ट बना सकते हैं| अपनी शाखा में हो रही गतिविधियों, वसूली शिविर ,ऋण शिविर, लोक अदालत एवं अन्य कार्यक्रम की संक्षिप्त रिपोर्ट अंचल कार्यालय को अवश्य भेजें जिससे आपके उत्कृष्ट कार्यों को हम देश के अन्य भागों में पंहुचा सकें |

हम वितीय वर्ष 2020-21 की प्रथम तिमाही मे है, पिछले वित्तीय वर्ष मे वार्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु हमने निरंतर प्रयास किए हैं | कुछ क्षेत्रों में हमें अनुकूल परिणाम प्राप्त हुए हैं तथा कुछ में अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हो सके | हमारी शाखाओं में कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अच्छे कार्य का प्रदर्शन किया है, वे सभी प्रशंसा के पात्र हैं | जो शाखा अंचल कार्यालय द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर सके, उन्हें और ज्यादा परिश्रम करना होगा ताकि इस वित्तीय वर्ष मे लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके | इस समय बैंकिंग क्षेत्र काफी चुनौतियों से गुजर रहा है,वर्तमान समय मे कोविड-19 नामक विश्वव्यापी संकट हमारी अर्थव्यवस्था के समक्ष विषम परिस्थितियाँ लेकर खड़ा है | देश के सभी नागरिक, केंद्र व राज्य सरकारें , स्थानीय निकाय , निजी एजेंसियां अन्य सभी कोरोना से लड़ने मे लगी है जिससे जितना बन पा रहा है , यथासंभव सहयोग कर रहें है | बैंकिंग को आवश्यक सेवा घोषित किए जाने के उपरांत एक बैंकर के तौर पर हमारी ज़िम्मेदारी भी एक आम नागरिक से दुगुनी हो गयी है | हमारे बैंक के कर्मचारियों ने अपने वेतन के कुछ अंश पीएम केयर्स फ़ंड मे समर्पित करने के साथ-साथ कोरोना से प्रभावित लोगो के बीच मास्क, सेनीटाइज़र, राहत सामग्री इत्यादि भी वितरित किए है| इस प्रयास मे अंचल के प्रत्येक बैंकर का छोटा से छोटा योगदान भी महत्वपूर्ण है | इस स्थिति में हमें व्यवसाय हेतु अब समग्र रूप से प्रयास करने की आवश्यकता है, तभी हम अपने बैंक को आगे ले जाने में सहयोग कर पाएँगे |वित्तीय वर्ष 2020-21 मे नवीन लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रारंभ से ही रणनीति के साथ काम करने की आवश्यकता है |

वर्तमान समय की कठिन परिस्थितियों के बाबजूद हम निरंतर सरकार की बहुआयामी जन-कल्याण योजनाओं के कार्यान्वयन के लगे है | प्रधानमंत्री किसान सम्मान, प्रधानमंत्री जन-धन योजना के लाभूकों को राशि की उपलब्धता तथा अन्य बैंकिंग कार्यकलापों के साथ साथ हमारी यह भी महत्वपूर्ण जिम्मेवारी है कि बैंक द्वारा **कोविड –19 से प्रभावित जनसमुदाय के सहयोग के उदेश्य से चलायी जा रही "यूको सहयोग" योजना जिसमे किसानो , स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों , प्रधानमंत्री जनधन योजना के खाताधारियों के लिए विशेष व्यवस्था की गयी है , इससे अधिकाधिक ग्राहकों को लाभान्वित किया जाए|**

मैं अपने अंचल के समस्त अधिकारियों / कर्मचारियों से यह कहना चाहता हूँ कि कर्तव्यपथ पर ईमानदार मेहनत के साथ नियमों का अनुपालन आवश्यक है वर्तमान समय मे सरकार के प्रत्येक दिशानिर्देशों का अनुपालन करते हुए , बैंक की लाभप्रदता के लिए हमें अपने ग्राहकों को बेहतर सेवा प्रदान करनी होगी, क्योंकि एक संतुष्ट ग्राहक द्वारा ही अन्य नए ग्राहक बनाए जा सकते हैं |हमारे बैंकिंग उद्योग में किसी भी प्रकार का शॉर्टकट अपनाना सही नहीं है | हम सबों को अपनी इस संस्था के लिए पूरे लगन एवं ईमानदारी के साथ काम करना होगा तभी इसका प्रतिफल हम सभी को मिल पाएगा |

शुभकामनाओं सहित,

निरुपम कुमार राय
(उप अंचल प्रमुख)

सम्पादकीय

सभी को सादर नमस्कार!

जीवन की सार्थकता की कल्पना संवाद के बिना अधूरी है | मै प्रफुल्लित हूँ कि, संपादन में आप सभी के अपार सहयोग से यूको परिवार के सभी सदस्यों के समक्ष 'यूको अंगिका' का विशेषांक "कोरोना का कर्मवीर" प्रस्तुत करने में सक्षम हूँ | मै यह पूर्ण दावा नहीं कर सकता कि यह पत्रिका परिपूर्ण है परन्तु इसकी सार्थकता हेतु हर संभव प्रयास किया गया है |

वर्तमान समय मे हम एक विश्वव्यापी संकट की विभीषिका का सामना कर रहें है जिसमे सम्पूर्ण मानव जाति का अस्तित्व खतरे मे है | यह साफ तौर पर दिखाई दे रहा है कि विज्ञान के इस युग मे अनेकनेक आविष्कार तथा प्रकृति के अबूझ रहस्यों को सुलझाने हेतु प्रयासरत मानव कोरोना नामक सूक्ष्म वायरस के समक्ष बेबश है | सम्पूर्ण मानव समुदाय के लिए यह एक यह कठिन परीक्षा की घड़ी है जिसमे सफल होने के लिए इंसान को संयम और समझदारी की अत्यधिक आवश्यकता है |

इस विपरीत परिस्थिति मे कोरोना के कर्मवीर, खासकर शाखा मे कार्यरत बैंकर अपनी जरूरतों को दरकिनार करते हुए जिस तत्परता से सरकार के अनुदेशों के पालन में अपनी कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दे रहें है, वह अतुलनीय है | मानव अस्तित्व पर संकट की इस घड़ी मे बैंकरो ने नैतिकता, कर्तव्यनिष्ठा तथा अनुशासन के मेरुदंड को मजबूती से साधते हुए लोक-मंगल की भावना को अपनी आधारभूमि बनाया है| लोक मंगल की भावना से प्रेरित होकर ग्राहकों की आर्थिक जरुरतों को पूर्ण करने हेतु ततपर बैंकरो के अदम्य साहस को नमन करने के उदेश्य से इस पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है |

साथ ही ध्यान देने योग्य तथ्य यह है कि हमारा कार्यालय "क" क्षेत्र में अवस्थित है अतः राजभाषा हिंदी के प्रति हमारी प्रमुख जिम्मेदारी बनती है कि हम अधिक से अधिक हिंदी में कार्यनिष्पादन करें| अंचल कार्यालय स्तर पर भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु हमारा पूर्ण प्रयास रहता है परन्तु यह दायित्व आप सभी यूकोजन का भी है कि अपने बैंक की छवि में उत्तरोतर वृद्धि हेतु हम हर संभव प्रयास करें | **हमें हिंदी का काम नहीं, अपने काम को हिंदी में करना है** तभी हम बेहतर ग्राहक सेवा के माध्यम से व्यवसाय वृद्धि कर सकते है | मुझे पूर्ण विश्वास है कि शीघ्र ही हम अपने ध्येय को पाने में सफल होंगे , यदि कुछ आवश्यक है तो वो है निरंतरता | यही वो भाषा है जो उत्तर से दक्षिण तक तथा पूर्व से पश्चिम तक या सीधा कहें तो पूरे भारतवर्ष में बोली जाने वाली भाषा है । मेरा मानना है कि हिंदी भाषा में संवाद तथा कार्यकलाप प्रत्यक्ष व् परोक्ष रूप से बैंक और ग्राहक के रिश्ते में नजदीकियां लाता है | अतः राजभाषा हिन्दी को मजबूरी नहीं बल्कि आदत बनाएँ।

वित्तीय वर्ष 2020-21 की सभी तिमाही में हम सब उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु कृतसंकल्प हैं | हमें उम्मीद है कि अपने अथक प्रयासों से हम सभी लक्ष्यों को अवश्य प्राप्त कर सकेंगे |

आप सबों से अनुरोध है कि पत्रिका के इस अंक पर हमें अपनी बहुमूल्य प्रतिक्रियाएं अवश्य प्रेषित करें |

हार्दिक शुभकामनाओं एवं पूर्ण सहयोग के अभिलाषा सहित.....

सूरज कुमार
वरिष्ठ प्रबंधक राजभाषा

क्या नाम दूँ

क्या नाम दूँ ,
बैंकर की इस हिम्मत को ।
कभी ना अदा होने वाली,
इस कीमत को ।
कोरोना से लड़ने चले,
भूलकर सारी जिल्लत को ।
ना खुद की चिंता,
ना परिवार की ।
फिर भी हमारी चर्चा नहीं,
लानत है ऐसे टीवी और अखबार की।
आंखे खोलकर देख लो,
हमारी निंदा करने वालो ...
रक्षा में लगे है हम अर्थ के दीवार की।
क्योंकि हमें बचाना है ,
देश रूपी इस जन्नत को।
क्या नाम दूँ ,
बैंकर की इस हिम्मत को।
कभी ना अदा होने वाली इस कीमत को...
बैंकरों ने हमेशा ही ,
कुछ कर दिखाया है।
परिस्थितियां हो वैसी,
तो मर दिखाया है ।
याद करो नोटबंदी को,
अब कोरोना सामने है।
शायद सोच बदल जाए उनकी,
जिन्होंने पावर का डर दिखाया है।
जीतेंगे हम ही, हारेगा ....
ये कायर कोरोना ।
मां ने भी अब बोल दिया है,
बेटा तुम डरो ना ।
बैंकरों ने कमर कस ली है,
आजमाएंगे अब अपनी किस्मत को |
क्या नाम दूँ इस बैंकर की इस हिम्मत को.....
कभी ना चूकने वाली कीमत को|

***

अंचल की गतिविधियां

भारतीय संविधान के निर्माता बाबासाहब भीमराव अंबेडकर की 129वीं जयंती के अवसर पर अंचल कार्यालय भागलपुर मे आयोजित कार्यक्रम का दृश्य |

परिचय

"यूको अंगिका" के अंतर्गत इस विशेषांक का प्रकाशन देश के आर्थिक प्रहरियों, जो इस कोरोना नामक वायरस के संक्रमण काल मे भी अपनी सेवाओं से जन-जन तक समुचित बैंकिंग सुविधा उपलब्ध करा रहे है, उन बैंकरो को समर्पित है| इस पत्रिका के प्रकाशन का मुख्य उद्देश्य अंचल के अंतर्गत होने वाली प्रमुख गतिविधियों को संक्षिप्त नोट के साथ चित्र के रूप में प्रदर्शित करना है।

सक्षम हैं हम
जीतेंगे हम

अंचल की गतिविधियां

ग्रामीण स्व० रोजगार प्रशिक्षण संस्थान, बांका द्वारा जिला अंतर्गत रजौन प्रखण्ड के भवानीपुर कठौन गाँव को गोद लिया गया |

ग्रामीण स्व० रोजगार प्रशिक्षण संस्थान,बांका द्वारा इस गाँव के उत्थान हेतु समयानुसार व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा ,जो ग्रामीणों के आर्थिक उत्थान मे महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी |

अंचल की गतिविधियाँ

बैंक के 77वें स्थापना दिवस 06 जनवरी, 2020 के शुभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम

बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर गणमान्य ग्राहकों को संबोधित करते अंचल प्रबन्धक श्री सुभाष चन्द्र मोहापात्रा

सक्षम हैं हम

जीतेंगे हम

अंचल की गतिविधियां

बिहार सरकार के दिशानिर्देशन मे दिनांक 19 जनवरी , 2020 को नशा मुक्ति, शराबबंदी , दहेज विरोध, बाल विवाह को समाप्त करने तथा जल जीवन हरियाली को बढ़ावा देने के उदेश्य से 16,298 कि० मी० मानव श्रृंखला मे सहभागिता करते अंचल कार्यालय भागलपुर के सदस्यगण |

71 वें गणतंत्र दिवस के झंडोतोलन कार्यक्रम के दौरान अंचल कार्यालय भागलपुर के सदस्यगण |

सक्षम हैं हम

जीतेंगे हम

अंचल की गतिविधियां

अनर्जक आस्तियों की वसूली अभियान के दौरान सरफेसी अधिनियम,2002 के अंतर्गत सांकेतिक कब्जा

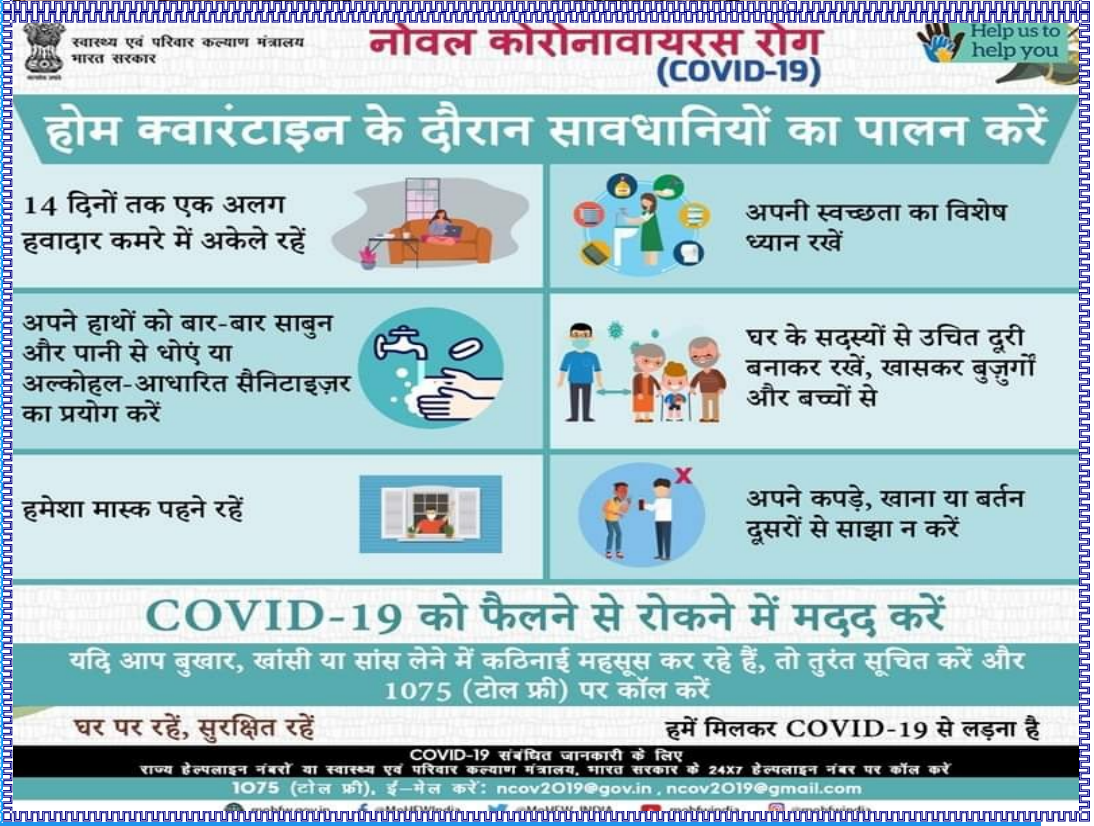

कोरोना के कर्मवीर

मास्क वितरित करते मकदुमा शाखा के स्टाफ सदस्य

निदेशक आरसेटी व मकदूमा शाखा के अन्य कर्मी |

ग्राहकों से पंक्ति में सामाजिक दूरी के नियमों का अनुपालन का आग्रह करते स्टाफ सदस्य |

कोविड –19 नामक वैश्विक महामारी के वायरस से संक्रमण से सुरक्षा हेतु मास्क वितरित करते मकदुमा शाखा के स्टाफ सदस्य |

साथ ही निकासी हेतु पंक्तिबद्ध ग्राहकों से सामाजिक दूरी के अनुपालन हेतु आग्रह करते स्टाफ सदस्य|

सक्षम हैं हम

जीतेंगे हम

कोरोना के कर्मवीर

कोविड –19 नामक वैश्विक महामारी के वायरस से संक्रमण से सुरक्षा हेतु मास्क वितरित करते शाखा के स्टाफ सदस्य |

कोविड –19 नामक वैश्विक महामारी के दौरान ग्रामीणों के बीच खाद्य सामाग्री वितरित करते जगदीशपुर शाखा के स्टाफ सदस्य |

भागलपुर अंचल के शाखाओं के कारोबार में वृद्धि के आंकड़े

शाखा कूट संख्या	शाखा का नाम	31.03.2020 को	30.04.2020 को	31.03.2020 से वृद्धि	31.03.2020 से % वृद्धि/कमी
193	भागलपुर मेन	7736.94	7774.94	38	0.49%
487	सबौर	48422.22	47564.11	-858.11	-1.77%
720	बौंसी	8361.15	8699.94	338.79	4.05%
723	बाराहाट - इशीपुर	3488.32	3638.62	150.3	4.31%
729	नारायणपुर	7361.58	7614.63	253.05	3.44%
753	जगदीशपुर	5192.7	5384.87	192.17	3.70%
823	बेलहर	6354.89	6753.26	398.37	6.27%
892	सनहौला	4807.2	5160.07	352.87	7.34%
894	कटोरिया	8309.95	8554.3	244.35	2.94%
895	शंभुगंज	6491.51	6925.23	433.72	6.68%
953	धौरैया	6291.5	6814.52	523.02	8.31%
1031	गोपालपुर	5043.02	5303.9	260.88	5.17%
1070	गोरहट्टा चौक	5606.4	5659.53	53.13	0.95%
1127	फ़तेहपुर	10912.72	10889.49	-23.23	-0.21%
1128	सूईया	5642.11	5793.32	151.21	2.68%
1129	खेसर	5194.31	5403.3	208.99	4.02%
1193	बहादुरपुर	4583.14	4634.21	51.07	1.11%
1194	पीरपैंती बाज़ार	8129.01	8177.51	48.5	0.60%
1210	बीरबनना भ्रमरपुर	4373.1	4465.54	92.44	2.11%
1211	पवई	3102.54	3258.59	156.05	5.03%
1212	कस्बा	3109.85	3262.04	152.19	4.89%
1213	एकचारी	3514.49	3677.99	163.5	4.65%
1214	विजयहाट	3858	4013.2	155.2	4.02%
1215	लोदीपुर	3901.64	4006.12	104.48	2.68%
1216	कजरैली	4454.09	4580.27	126.18	2.83%
1217	बलुआचक पुरैनी	3211.33	3285.73	74.4	2.32%
1232	तुलसीपुर जमुनिया	3426.02	3477.32	51.3	1.50%

1241	भरको	4812.31	4975.85	163.54	3.40%
1243	सुल्तानगंज	7052.58	7208.57	155.99	2.21%
1245	श्यामबाजार	3077.53	3225.11	147.58	4.80%
1246	सजौर	4342.85	4603.24	260.39	6.00%
1247	करहारिया	3881.22	4099.72	218.5	5.63%
1249	ढोलबज्जा बाज़ार	3149.59	3216.48	66.89	2.12%
1251	साहूपर्बत्ता	3647.09	3832.24	185.15	5.08%
1252	गंगानिया	3115.42	3215.17	99.75	3.20%
1270	मकदुमा	3300.13	3385.76	85.63	2.59%
1271	अकबरनगर	5700.37	5910.25	209.88	3.68%
1276	मंदार विद्यापीठ	4252.99	4399.39	146.4	3.44%
1295	इंग्लिश मोड़	2935.75	3042.35	106.6	3.63%
1296	कटियामा राजौन	5698.68	5829.8	131.12	2.30%
1297	पचरुखी	2831.09	2939.12	108.03	3.82%
1298	रंगरा	3799.39	3947.32	147.93	3.89%
1307	चापरहाट	3103.09	3226.86	123.77	3.99%
1367	फुल्लिडुमर	4538.41	4882.32	343.91	7.58%
1368	जयपुर भागलपुर	3890.41	4067.84	177.43	4.56%
1369	साहेबगंज	6397.13	6717.52	320.39	5.01%
1375	गुलनीकुशा	4590.92	4850.59	259.67	5.66%
1378	सनोखरहाट	4076.26	4395.43	319.17	7.83%
1379	नंदलालपुर	3024.26	3178.2	153.94	5.09%
1413	कौशलपुर	3796.75	3872.22	75.47	1.99%
1472	तारर	2679.59	2768.19	88.6	3.31%
1476	बैजानी	2930.32	3026.47	96.15	3.28%
1477	ककवारा	4003.96	4110.63	106.67	2.66%
1479	डुमरावन	4266.91	4445.4	178.49	4.18%
1480	प्यालापुर	2361.57	2490.72	129.15	5.47%
1513	भीतिया	3719.5	3950.28	230.78	6.20%
1520	बुद्धूचक	2856.96	2876.85	19.89	0.70%
1580	धौरी	3568.85	3731.16	162.31	4.55%
1581	रतनपुर	4454.27	4691.93	237.66	5.34%
1646	किसुनदासपुर	2560.51	2640.39	79.88	3.12%

1648	धनौरा	2059.54	2244.13	184.59	8.96%
1677	गोराडीह	3766.99	4106.05	339.06	9.00%
1683	भनरा	2233.19	2290.23	57.04	2.55%
1702	फ़ौजदारी	4724.84	4864.9	140.06	2.96%
1703	चमेलीचक	4124.64	4154.78	30.14	0.73%
1743	तिलकामांझी	17063.85	14974.51	-2089.34	-12.24%
1799	बांका-भागलपुर	17785.58	18455.56	669.98	3.77%
1940	कहलगाँव	8781.95	8855.54	73.59	0.84%
2280	गोघा	3002.91	3018.38	15.47	0.52%
2286	एन टी पी सी	3992.37	4043.97	51.6	1.29%
2335	नौगछिया	2502.68	2621.15	118.47	4.73%
2477	सुभानपुर	1808.65	1853.97	45.32	2.51%
2599	मसदी	1245.21	1280.49	35.28	2.83%
2600	सलेमपुर	1966.01	2039.07	73.06	3.72%
2601	खैरा	1372.07	1436.46	64.39	4.69%
3177	तीनटंगा करारी	1003.33	1048.29	44.96	4.48%
3236	अलीगंज	2915.53	3038.89	123.36	4.23%
3237	मोहद्दीनगर	3559.12	3621.14	62.02	1.74%
3257	आदमपुर	3333.6	3432.37	98.77	2.96%
3282	नाथनगर	2319.91	2316.68	-3.23	-0.14%
कुल		408858.4	418222.5	9364.12	2.76

कोरोनावायरस महामारी के मद्देनजर – ऑटो डेबिट न होने पर अर्थदंड में छूट

Relief for Coronavirus Pandemic - Waiver of Penalty for failure of Auto Debit

बैंक ने ईसीएस – डेबिट रिटर्निंग शुल्क में 3 महीने के लिए अर्थात 30 जून, 2020 तक छूट दी है।

Bank has waived the ECS-Debit Returning Charges for 3 months i.e. Upto 30th June, 2020.

राशि Amount	कुल सेवा शुल्क Total Service Charges
रु. 1 लाख तक की राशि Amount upto Rs. 1 lakh	पूर्ण छूट Full Waiver
रु. 1 लाख से अधिक एवं रु. 10 लाख तक Above Rs. 1 lakh upto Rs. 10 lakh	पूर्ण छूट / Full Waiver
रु. 10 लाख से अधिक एवं रु. 100 लाख तक Above Rs. 10 lakh upto Rs. 100 lakh	पूर्ण छूट Full Waiver
रु. 100 लाख से अधिक Above Rs. 100 lakh	पूर्ण छूट Full Waiver

यूको सौभाग्य

आवर्ती जमा खाता

मनी पावर

के लिए आपका नया स्रोत

विशेषताएं

- लचीली मासिक किस्त न्यूनतम ₹100, अधिकतम ₹1 लाख तक (₹100 के गुणज में)
- 12/24/36/48/60 माह के लिए जमाराशि
- किसी माह में कई बार राशि जमा करने का लचीलापन
- इंटरसोल लेनदेन अथवा स्थायी अनुदेश हेतु कोई प्रभार नहीं
- आकर्षक ब्याज दर

सुकन्या समृद्धि योजना

आपकी बेटी के उज्ज्वल भविष्य के लिये

(भारत सरकार के सौजन्य से)

एक टीम-एक स्वप्न भाषा का प्रकाश-बैंक का विकास सक्षम हैं हम-जीतेंगे हम

'अपनी भाषा सुधारिए' अभियान

अशुद्ध/अनुपयुक्त शब्द	शुद्ध/उपयुक्त शब्द
१-अप्रवासी	१- आप्रवासी,अनिवासी
२-ऐलान	२- एलान
३-रंग-बिरंगा/बिरंगी/बिरंगे	३- रंगबिरंगा/बिरंगी/बिरंगे
४-आरोपी	४-आरोपित
५-जन्मदिन	५-जन्मतिथि
६-सौहार्द्र	६-सौहार्द
७-मिष्ठान/मिष्ठान्न	७- मिष्टान्न
८-बिल्कुल	८-बिलकुल
९-आइना	९-आईना
१०-पाठयेत्तर,शिक्षणेत्तर,साहित्येत्तर	१०-पाठयेतर,शिक्षणेतर,साहित्येतर

पांच हजार वर्ष पहले सुश्रुत संहिता में कही गयी संक्रमण के सम्बंध में दिए गए निर्देश कितने वैज्ञानिक है आप भी जाने

❖ प्रसंङ्गाद्गात्रसंस्पर्शान्निश्वासात् सहभोजनात् ।
सहशय्यासनाच्चापि वस्त्रमाल्यानुलेपनात् ॥
कुष्ठं ज्वरश्च शोषश्च नेत्राभिष्यन्द एव च ॥
औपसर्गिकरोगाशच संक्रामन्ति नरान्नरम् ॥

❖ आयुर्वेद के महर्षि आचार्य सुश्रुत के अनुसार संक्रमित व्यक्ति के साथ हाथ मिलाने या सम्बन्ध स्थापित करने से ,संक्रमित व्यक्ति के निश्वास के संपर्क में आने तथा एक ही बिस्तर पर शयन करने से,संक्रमित व्यक्ति के साथ भोजन करने से, संक्रमित व्यक्ति के वस्त्र, आभूषण तथा सौंदर्य प्रसाधनों का प्रयोग करने से संक्रामक रोग एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक फैलते हैं।

❖ *By indulgence in physical contact, exhaled air, eating together with others, sharing bed, chair etc., clothes, garland, paste; infectious diseases like leprosy, fever, consumption, conjunctivitis spread from human to human.*

सुर्खियां

बाखरपुर से वारंटी को किया गिरफ्तार

पीरपैंती। बाखरपुर ओपी प्रभारी ने छापेमारी कर आरोपी मदन मंडल को मोहनपुर दियारा से गिरफ्तार कर लिया। उस पर ऋण नहीं चुकाने का आरोप है। हालांकि पकड़े जाने के बाद डेढ़ लाख रुपया जमा करने पर उसे जमानत पर छोड़ा गया। पुलिस ने बताया कि कार्रवाई की जा रही है।

यूको बैंक के मैनेजर ने बांटी राहत सामग्री

जगदीशपुर | गुरुवार को जगदीशपुर यूको बैंक की शाखा के प्रबंधक देवदत कुमार ने प्रखंड के भवानीपुर गांव सहित जगदीशपुर के सन्लौ मोड़ व बलुआचक चौक पर गरीब व जरूरतमंदों के बीच मास्क, चावल, दाल, चूड़ा, आलू और साबुन का वितरण किया। इस मौके पर असिस्टेंट मैनेजर आराधना कुमारी, अनिल शाह, सहदेव, ध्रुव सिंह व पप्पू कुमार उपस्थित थे।

तुलसीपुर में यूको बैंककर्मियों ने बांटी राहत समाग्री

खरीक। लॉकडाउन में फंसे लोगों की मदद के लिए तुलसीपुर यूको बैंक के कर्मचारियों ने मैनेजर अमित कुमार सिंह के नेतृत्व में 100 जरूरतमंदों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया। वहीं लोगों ने राहत सामग्री पाकर बैंक कर्मियों की इस पहल की सराहनीय करते हुए धन्यवाद दिया। मौके पर भूपेन्द्र सिंह, प्रियंका कुमारी, अमित चौधरी, नीरज कुमार, विकास कुमार आदि मौजूद थे।

महिला उद्यमी का बनाया मास्क एलडीएम ने किया वितरित

- आमजनों के बीच मास्क किया वितरित

प्रतिनिधि ▷ बांका

कोरोना वायरस के संभावित संक्रमण को देखते हुए कोविड-19 द्वारा जारी निर्देश हम सबके के लिए संजीवनी है, कोरोना से बचने के लिए पूरे देश में लॉकडाउन लागू है, लेकिन इन मुश्किल वक्त कोरोना जैसे संक्रमण से बचने के लिए कई समाजसेवी एवं विभिन्न संगठन व सरकारी महकमा द्वारा लोगों को मदद पहुंचाया जा रहा है, इसे कड़ी में शुरुवात जो हुआ आसेप्टी बंधु द्वारा प्रशिक्षित महिला उद्यमी मिन्नी सिंह द्वारा निर्मित मास्क को एलडीएम अरुण कुमार राय व आसेप्टी निदेशक अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में आमजनों के बीच वितरण किया गया. इस दौरान एलडीएम ने बताया कि कोरोना से बचने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग सहित अन्य सावधानियां बेहद जरूरी है. इस लॉकडाउन में महिला उद्यमी द्वारा करीब एक हजार मास्क बनाया गया था, जिसे आमजनों के बीच वितरण किया जा रहा है. इस मौके पर करीब दो सौ शहर वासियों के बीच मास्क का वितरण किया गया, इस अवसर पर यूको बैंक प्रबंधक राहुल कुमार, एलडीएम सहायक गुलशन कुमार सहित अन्य मौजूद थे.

मास्क का वितरण करते एलडीएम व निदेशक.

मास्क बनाती महिला उद्यमी.

कविता

मै हूँ बैंकर

घर में है राशन नहीं, फिर भी ड्यूटी जाते हैं।
सारी दुकानें बंद हो जाती, जब हम वापस आते हैं।
मम्मी पापा सिसक कर पूछ रहे हैं, बेटा कैसे खाते हो।
जब पूरा देश बंद है तो, तुम क्यों ड्यूटी जाते हो।
यहां सब कुछ मिल रहा है, झूठ बोलकर मां को समझाते।
देश के लिए समर्पित यह जीवन, इसलिए ड्यूटी जाते है ।

कट रही है जिंदगी, जैसे जी रहे ,बनवास में।
हम तो हैं बैंक कर्मचारी, ड्यूटी कर रहे हैं हर हालात में।
हम तड़पते ड्यूटी में, परिवार चिंतित घरों में।
जिंदगी मानो ठहर सी गई है, जैसे बेडी जकड़ी पांव में।
ना हम सेना, ना हम शिक्षक, ना हम डॉक्टर, ना कोई सम्मान हम पाते हैं,
हम तो सिर्फ बैंक कर्मचारी हैं, इसलिए ड्यूटी जाते हैं ।

***

सतर्क रहें , सुरक्षित रहें !

यूको बैंक UCO BANK
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Govt. of India Undertaking)
सम्मान आपके विश्वास का Honours Your Trust

कोरोना वायरस संक्रमण के अपने ख़तरे को कम करें

सतर्क रहें - सुरक्षित रहें

नोवेल कोरोना वायरस या Covid 19 के आगे प्रसार को नियंत्रित करने तथा विभिन्न सरकारी एजेंसियों द्वारा जारी विभिन्न दिशानिर्देशों और अनुदेशों के अनुरूप निम्नलिखित उपाय सामान्य रूप से और विशेष रूप से बैंक शाखाओं में अपनाए जाने चाहिए।

- पास-बुक प्रिन्टिंग का अस्थायी स्थगन
- शाखा परिसरों में भीड़ न करें
- जब बिल्कुल आवश्यक हो तभी शाखा में आएं
- नकद निकासी एवं बैलेंस जांच के लिए एटीएम का उपयोग करें
- बैलेंस की जानकारी के लिए 9278792787 पर मिस्ड कॉल दें
- सभी सामान्य पूछताछ केवल फोन से
- लेनदेनों के लिए बैंक के एम बैंकिंग एवं ई बैंकिंग सेवा का उपयोग करें
- शाखा परिसर में प्रवेश करने से पहले स्वयं को स्वच्छ करें
- अल्कोहल आधारित हैंड सैनिटाइज़र एवं हैंड वॉश का व्यापक प्रयोग करें
- अन्य व्यक्तियों से कम से कम 3 फुट की दूरी बनाए रखें
- खांसते अथवा छींकते समय मुंह ढकें
- जब खाँसी एवं सर्दी हो तो फेस मास्क का प्रयोग करें
- जहां संभव हो हैंड ग्लव्स का प्रयोग करें

"हम आपको बहुत जल्द ही पूरी सेवा देंगे"

डिजिटल बैंकिंग - सुरक्षित बैंकिंग

मज़ाक तक

कुछ योजनाएँ, कुछ बदलाव

COVID 19 के कारण प्रभावित लोगों को बैंक द्वारा रियायत

Relaxation to people by bank affected due to COVID 19

- डेबिट कार्ड धारक अब किसी भी बैंक के एटीएम से तीन महीने के लिए अर्थात 30 जून, 2020 तक बिना किसी शुल्क के नकद आहरण कर सकते हैं।

  Debit card holder can now withdraw cash from any other Banks' ATMs without any charges for three months i.e. till 30th June 2020.

- 30 जून 2020 को समाप्त तीन महीनों के लिए न्यूनतम शेष राशि की आवश्यकता को बनाए रखने के लिए न्यूनतम शेष राशि शुल्क में छूट।

  Waiver of minimum balance fee for maintaining minimum balance requirement for three months ending 30th June 2020.

लघु बचत योजनाओं हेतु ब्याज दरें दिनांक 01.04.2020 से 30.06.2020 तक प्रभावी

Rates of Interest for Small Saving Schemes w.e.f. 01.04.2020 to 30.06.2020

योजना Scheme	ब्याज दरें दिनांक 01.04.2020 से 30.06.2020 तक प्रभावी Rates of Interest w.e.f 01.04.2020 to 30.06.2020	चक्रवृद्धि पुनरावृत्ति Compounding Frequency
सुकन्या समृद्धि योजना Sukanya Samridhi Yojna	7.6	वार्षिक Annually
5 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक बचत योजना 5 years Senior Citizen Savings Scheme	7.4	तिमाही एवं भुगतान योग्य Quarterly and Paid
पब्लिक प्रोविडेंट फंड Public Provident Fund	7.1	वार्षिक Annually

कुछ योजनाएँ, कुछ बदलाव

यूको टैक्स सेवर योजना हेतु ब्याज दरों में संशोधन
Revision in the Interest Rates for UCO Tax Saver Scheme

योजना Scheme	श्रेणी Category	मौजूदा ब्याज दर Existing ROI	संशोधित ब्याज दर दिनांक 17.04.2020 से प्रभावी Revised ROI w.e.f 17.04.2020
यूको टैक्स सेवर UCO Tax Saver	सामान्य General	6.25%	5.80%
	वरिष्ठ नागरिक / स्टाफ / भूतपूर्व स्टाफ वरिष्ठ नागरिक Senior Citizen /Staff/ Ex Staff Sr. Citizen	6.75%	6.30%

यूको बैंक प्रधान कार्यालय द्वारा अखिल भारतीय अंतर-बैंक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

निबंध का विषय :

- कोरोना महामारी — भारतीय बैंको की भूमिका
- कोरोना महामारी — सामाजिक –आर्थिक परिदृश्य मे बदलाव

पुरस्कार की राशि

- प्रथम पुरस्कार - रु० 10000/-
- द्वितीय पुरस्कार - रु० 8000/-
- तृतीय पुरस्कार - रु० 7000/-
- प्रोत्साहन पुरस्कार (2) - रु० 5000/(प्रत्येक)

हिन्दी मे लिखे निबंध बंद लिफाफे में डाक / कूरियर अथवा ई-मेल से दिनांक 10 जून , 2020 तक निम्नलिखित पते पर अवश्य प्रेषित करें -

मुख्य प्रबन्धक राजभाषा
यूको बैंक प्रधान कार्यालय
राजभाषा विभाग, तृतीय तल
10, विप्लवी त्रैलोक्य महाराज सरणी, कोलकाता-700001
ई-मेल—horajbhasha.calcutta@ucobank.co.in

अधिक जानकारी के लिए अंचल कार्यालय के राजभाषा विभाग से संपर्क करें |

शाखाओं मे सामाजिक दूरी का अनुपालन

इंग्लिशमोड शाखा के ग्राहकों के बीच सामाजिक दूरी का अनुपालन |

अलीगंज शाखा के ग्राहकों के बीच सामाजिक दूरी का अनुपालन |

ग्राहकों को पंक्तिबद्ध करते निदेशक आरसेटी |

खेसर शाखा के ग्राहकों के बीच सामाजिक दूरी का अनुपालन |

खेसर शाखा द्वारा सामाजिक दूरी का अनुपालन |

फ़ौजदारी शाखा द्वारा सामाजिक दूरी का अनुपालन |

शाखाओं मे सामाजिक दूरी का अनुपालन

जन-धन खाते मे प्राप्त राशि की निकासी हेतु पंक्तिबद्ध जयपुर शाखा के ग्राहक-जन |

रंगरा शाखा के बाहर निकासी हेतु पंक्तिबद्ध ग्राहक |

सामाजिक दूरी के अनुपालन हेतु शाखा के भीतर की गयी व्यवस्था |

सामाजिक दूरी के अनुपालन हेतु शाखा के भीतर की गयी व्यवस्था |

सामाजिक दूरी के अनुपालन हेतु शाखा के भीतर की गयी व्यवस्था |

सामाजिक दूरी के अनुपालन हेतु शाखा के भीतर की गयी व्यवस्था |

शाखाओं मे सामाजिक दूरी का अनुपालन

शाखाओं मे सामाजिक दूरी के अनुपालन हेतु गोल घेरा बनाकर उसमे ग्राहकों से पंक्तिबद्ध होने का आग्रह करते ग्रामीण स्व० रोजगार प्रशिक्षण संस्थान, बांका के निदेशक श्री अभय कुमार |

अनर्जक आस्तियों की वसूली हेतु माओ का प्रदर्शन करते तिलकामांझी शाखा के स्टाफ सदस्य |

शाखाओं मे सामाजिक दूरी का अनुपालन

शाखा के बाहर सामाजिक दूरी के अनुपालन हेतु गोल घेरों मे खड़े ग्राहक |

शाखा के बाहर सामाजिक दूरी के अनुपालन हेतु गोल घेरों मे खड़े ग्राहक |

ककवारा शाखा के बाहर सामाजिक दूरी का सख्ती से अनुपालन हेतु ग्राहकों को निदेशित करते बैंक-कर्मी |

शाखा के बाहर सामाजिक दूरी का सख्ती से अनुपालन हेतु ग्राहकों को निदेशित करते बैंक-कर्मी |

बैजानी शाखा के बाहर सामाजिक दूरी का अनुपालन करते ग्राहक |

बेलहर शाखा के बाहर सामाजिक दूरी का अनुपालन करते ग्राहक |

बांका शाखा के स्टाफ सदस्यों द्वारा मास्क का वितरण

बांका शाखा के बाहर ग्राहकों के बीच मास्क वितरित करते शाखा के स्टाफ सदस्य |

एटीएम परिसर के सफाई का निरीक्षण करते निदेशक आरसेटी |

ग्रामीणों के बीच मास्क वितरित करते स्टाफ सदस्य |

आरोग्य सेतु

जानिए !

आरोग्य सेतु एप्प क्या है, इसे पूरे देश को इन्स्टाल करना क्यों आवश्यक है, आपमें से अधिकांश लोगो ने इनस्टॉल किया, पर आपको लगा कि बकवास है तो इसे आपने अनइन्स्टाल भी कर दिया होगा, फिर से आरोग्य सेतु एप को इन्स्टाल कीजिए|

माननीय प्रधानमंत्री जी ने बार-बार इसे इन्स्टाल करने हेतु निवेदन किया है, अब जानिए.....

यह एप्प आपसे कुछ पूछता है जैसे कि क्या आपको खांसी है? बुखार है? सांस लेने में परेशानी है.....

निश्चित है आप लिखेंगे, नहीं है|

उसके बाद आप ग्रीन जोन में दिखते होंगे, आपको लगता होगा, इस एप्प में कुछ है ही नहीं , पूरा बकवास है|

यह एप्प ब्लू टूथ और लोकेशन को ऑन रखने के लिए कहता है आप हमेशा ऑन रखिये, जब भी आप किसी भीड़-भाड़ वाली जगह पर जाते हैं यह एप्प ब्लू टूथ से आस पास के मोबाइल से संदेश लेता देता रहता है|

जब आप किसी के पास खड़े हैं तो आप भी ग्रीन जोन के हैं, पास खड़ा व्यक्ति भी ग्रीन जोन वाला नार्मल व्यक्ति ही है|

परंतु यदि वह व्यक्ति आज से 10 दिनों बाद किसी कारणवश कोरोना पॉजिटिव हो जाएं , तो यह एप्प आपको तुरंत सतर्क कर देगा, और आपका ग्रीन कलर बदल कर ऑरेंज या पीला हो जाएगा, यह कहेगा, आप से 10 दिन पहले आपके पास एक व्यक्ति था , वह अब कोरोना पॉजिटिव है यानि 10 दिन पहले उसे छिपा हुआ संक्रमण था जो अब साफ साफ दिखने लगा है, अब आप तुरंत अपनी जांच कराइए, साथ ही यह एप्प उन सभी व्यक्तियों को सूचना दे देगा, सबकी लोकेशन ऑन रहने से उनकी मूवमेंट भी पता चलेगी, और कोरोना से लड़ना आसान हो जाएगा |

लोगों को समझाइए जिस दिन करोड़ों लोग इसे इन्स्टाल कर लेंगे, यह आपको किसी भी ऑरेंज जोन के व्यक्ति के पास जाते ही रिंग करने लगेगा |

यह आपको हॉट स्पॉट की सूचना अलार्म से दे देगा ताकि आप रास्ता बदल लें...

तो बिना विलंब किए आज ही इन्स्टाल करें आरोग्य सेतु एप्प |

सुरक्षित रहें, स्वस्थ रहें !

***

शाखाओं के कर्मियों द्वारा राहत सामग्री का वितरण

मंदार शाखा द्वारा राहत सामग्री का वितरण |

तुलसीपुर शाखा द्वारा राहत सामग्री का वितरण |

मंदार शाखा द्वारा राहत सामग्री का वितरण |

तुलसीपुर शाखा द्वारा राहत सामग्री का वितरण |

तुलसीपुर शाखा द्वारा राहत सामग्री का वितरण |

कार्यालय के कर्मियों द्वारा राहत सामग्री का वितरण

अग्रणी बैंक प्रबंधक बांका द्वारा राहत सामग्री का वितरण |

सवाल-जबाब

क्या कहते है...
अनुभवी चिकित्सक

प्रश्न

क्या एल्कोहल के सेवन से कोरोना खत्म हो जाता है?

उत्तर

एल्कोहल से आपकी इम्युनिटी कम होती है, लिहाजा इंफेक्शन होने की आशंका बढ़ जाती है। इसके पीने से नुकसान ही है फायदा नहीं है।

प्रश्न

हाथ साफ करने के लिए सेनीटाइज़र का इस्तेमाल कब करें ?

उत्तर

अगर आप सफर कर रहे हैं, तो मजबूरी है कि आप सेनीटाइजर का प्रयोग करें, लेकिन अगर आप ऐसी जगह पर हैं, जहां पानी और साबुन उपलब्ध है, तो उसका ही इस्तेमाल करना चाहिए।

शादी ब्याह में अपने को सेफ रखने के लिए क्या कर सकते हैं?

उत्तर

50 से ऊपर की गैदरिंग की अनुमति नहीं है। यहां दोनों तरफ से प्रिकॉशन लेनी है। जिसे फीवर है उसे भी और जिसे नहीं है उसे भी। जिसे फीवर है और वह बाहर जा रहा है, तो वह भी बहुत बड़ी गलती कर रहा है। शादी ब्याह में जितने कम से कम लोग जाएं उतना बेहतर है।

सवाल-जबाब

क्या कहते है...
अनुभवी
चिकित्सक

क्या यह आगे चलकर और विकराल रूप दिखा सकता है?

उत्तर

2002 में सार्स और **2010** में मर्स भी कोरोना वायरस ही थे। कोविड-**19** भी उसी फैमिली का नया वायरस है। अब दुनिया बहुत छोटी हो गई है। हम एक देश से दूसरे देश कुछ ही घंटों में पहुंच सकते हैं। पहले वायरस एक जगह शुरू होकर वहीं खत्म हो जाता था। अब जल्दी फैलता है। वायरस को फैलने से रोकना अब बहुत मुश्किल है।

दिल्ली से प्रभात- हमारे पास लोगों को अगर खांसी बहुत है, तो क्या वो कोरोना वायरस के मरीज हो सकते हैं ?

उत्तर

हर एक खांसी कोरोना वायरस नहीं है। यह एक खास वायरस है, इसके लक्षण समझना जरूरी है। इसमें खांसी के साथ बुखार, जुकाम, गले में खराश, सूखी खांसी होती है। शरीर में दर्द भी हो सकता है। ये वायरल फीवर के भी लक्षण हैं। पिछले **14** दिन में अगर आप विदेश से या ऐसे शहर से आये हैं, जहां यह महामारी फैली है। या किसी ऐसे पेशेंट के संपर्क में आये हैं, जो लैबोरेटरी में कनफर्म कोरोना केस है, इससे जो बुखार, खांसी आपको हो, उसपर शक किया जा सकता है। लेकिन अगर कोई ऐसा व्यक्ति जो विदेश नहीं गया है, या किसी संक्रमित के संपर्क में नहीं आया है और खांसी हो रही है, तो यह आम खांसी है, घबराने की बात नहीं।

शादी ब्याह में अपने को सेफ रखने के लिए क्या कर सकते हैं?

उत्तर

50 से ऊपर की गैदरिंग की अनुमति नहीं है। यहां दोनों तरफ से प्रिकॉशन लेनी है। जिसे फीवर है उसे भी और जिसे नहीं है उसे भी। जिसे फीवर है और वह बाहर जा रहा है, तो वह भी बहुत बड़ी गलती कर रहा है। शादी ब्याह में जितने कम से कम लोग जाएं उतना बेहतर है।

सवाल-जबाब

क्या कहते है...
अनुभवी
चिकित्सक

प्रश्न

सरकार सभी से कह रही है कि घरों में रहें, बाहर मत जायें। स्कूल, कॉलेज, स्वीमिंग पूल, मॉल, आदि बंद कर दिए गए। ये कदम कहां तक कारगर साबित हो सकते हैं?

उत्तर

इसका सीधा प्रमाण इटली से है। वहां दो प्रोविंस हैं- साउथ और वेस्ट। एक प्रोविंस को **25** फरवरी को लॉकडाउन किया दूसरी को **3** मार्च को किया। **25** फरवरी को जहां लॉकडाउन किया, वहां मामलों की संख्या गिर गई। जहां **3** मार्च को किया अभी तक वहां मामले आ रहे हैं। यह साफ है- लॉकडाउन या आईसोलेशन से बहुत फायदा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में सैनिटाइजर या मास्क की जरूरत है या नहीं?

उत्तर

यह वायरस हमेशा बाहर से आता है। कोई यह वायरस लेकर आपके गांव में आ सकता है, खुद वायरस गांव में कभी नहीं आ सकता। ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा लोग बाहर से आते नहीं, इसलिये वहां इंफेक्शन की आशंका कम है।

क्या कोरोना वायरस (Corona Virus) से ए पॉजिटिव (A+) ब्लड ग्रुप (Blood Group) के लोगों को ज्यादा खतरा है?

उत्तर :

ऐसा कुछ देखा नहीं गया है। इससे हर किसी को खतरा है, वो चाहे किसी भी ब्लड ग्रुप का हो। हो सकता है व्हॉट्सऐप पर कोई मैसेज आया हो, जिससे लोग भ्रमित हो रहे हैं।

सवाल-जबाब

क्या कहते है...
अनुभवी
चिकित्सक

ऐसे समय जब संपूर्ण राष्ट्र कोरोना नामक त्रासदी से आपात का सामना कर रहा है हम लाएँ है उन जरूरतमंदों के लिए .....

UCO Sahyog SHG | UCO Sahyog | UCO Sahyog PMJDY

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना की महिला लाभार्थियों के सूचनार्थ

- आपका पैसा आपके खाते में सुरक्षित है। इसे वापस नहीं लिया जाएगा।
- यह पैसा एटीएम से आप कभी भी निकाल सकते हैं।
- इसे आप बिना किसी शुल्क के हमारे कारोबार प्रतिनिधि से भी ले सकते हैं।

www.ucobank.com /official.ucobank @UCOBankOfficial @official.ucobank

यूको बैंक UCO BANK
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Govt. of India Undertaking)
सम्मान आपके विश्वास का Honours Your Trust

प्रश्न

हमें टेस्ट कब, क्यों और क्यों नहीं कराना चाहिए?

उत्तर

पहला आपको कोई लक्षण होने चाहिए, दूसरा किसी संक्रमित के संपर्क में आये हैं, विदेश यात्रा की हो और यात्रा के बाद आपको बुखार खांसी आदि हुई तो टेस्ट करवाना जरूरी है। वो भी सरकारी अस्पताल में। इसकी जांच की अनुमति प्राइवेट अस्पतालों को नहीं है। सरकार यह जांच मुफ्त करती है।

सेनीटाइज़र के कई ब्रांड बाज़ार में उपलब्ध हैं। लोगों में भ्रमित हैं कि कौन सा लें कौन सा न लें। इस समस्या का समाधान कैसे हो सकता है ?

उत्तर

उनको पहले देखना चाहिए कि बॉटल पर एल्कोहल बेस्ड लिखा है या नहीं, क्योंकि एल्कोहल बेस्ड सेनीटाइज़र वायरस को मार देता है। सरकार ने इसे एसेंशियल कॉमोडिटी डिक्लेयर किया है। इसके गलत प्रॉडक्ट नहीं बेच सकते। ब्लैक मार्केट नहीं कर सकते।

भीड़-भाड़ वाली जगह पर न जाएं। जो लोग पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करते हैं वो क्या बचाव कर सकते हैं ?

उत्तर

अगर जरूरी नहीं है तो ट्रैवल न करें। अगर मजबूरी है तो यात्रा करते समय नियमित हैंड वॉश करें। चीजें छूने से बचें। जैसे अगर मेट्रो में जा रहे हैं तो रेलिंग आदि छूने से बचें। क्योंकि किसी और ने अगर उसे हाथ लगाया होगा तो संक्रमित होने का डर रहता है। बाकियों से दूरी बना कर रखें। अगर किसी को खांसी है तो दूरी बना कर रखें।

सवाल-जबाब

क्या कहते है...
अनुभवी
चिकित्सक

प्रश्न

जिन्हें खांसी-ज़ुकाम है, केवल उन्हें मास्क का प्रयोग करना चाहिए ?

उत्तर

अभी तक जो डाटा है उसके आधार पर जिनको खांसी-ज़ुकाम है वो मास्क लगाएं। आम इंसान जो स्वास्थ्य है, कोई तकलीफ नहीं है, उसको मास्क लगाने की जरूरत नहीं है। मास्क लगाने से कभी-कभी नुकसान भी हो जाता है। आपके हाथ में इंफेक्शन है और आप बार-बार मास्क एडजस्ट करने के लिए अपने हाथ चेहरे पर लगाएंगे। बार-बार टच करेंगे, तो संक्रमित हो सकते हैं।

क्या चिकन, मीट, अंडा खाने से कोरोना वायरस का संक्रमण होता है ?

उत्तर

यह ह्यूमन टू ह्यूमन ट्रांसमिट होने वाला वायरस है। अभी तक ऐसा कोई प्रमाण नहीं है, जिसमें कहा जाए कि यह नॉनवेज खाने से फैल रहा है।

हम इस आपदा से लड़ने में कहां तक तैयार हैं?

उत्तर

भारत के साथ सबसे अच्छी बात रही कि हमें समय मिला। चीन में इसके फैलते ही भारत सरकार सक्रिय हो गई। स्क्रीनिंग शुरू कर दी, संपर्क में आये लोगों को ट्रेस करके उनके टेस्ट किए। उससे हमारे देश में बाकियों की तुलना में यह कम फैला है। अभी तो धीरे-धीरे केस बढ़ रहे हैं। हमें यह देखने की जरूरत है कि कहीं अचानक तेजी से केस बढ़ न जायें। इसके लिए भारत सरकार ने तैयारियां कर ली हैं।

पालतू जानवरों से यह वायरस फैलता है क्या ?

उत्तर

यह महज़ भ्रांति है। किसी भी पालतू जानवर जैसे बिल्ली, कुत्ता आदि से यह वायरस नहीं फैलता। यह वायरस केवल मनुष्य से मनुष्य में फैलता है।

क्या करें, क्या न करें.....

टीवी रिमोट, फ़ोन, लैपटॉप्स आदि को रोज़ाना कम से कम एक बार ज़रूर सैनेटाइज़ करें.
काम वाली बाई को मेन डोर छूने से मना करें और सबसे पहले उसे हाथ धोने के लिए बोलें.
SOAP
घर के बुज़ुर्गों को वॉक या योगा पर जाने से रोकें.
hindi.scoopwhoop.com
फलों और सब्ज़ियों को अच्छे से धोकर ही फ्रिज में रखें.
बाहर से खाना ऑर्डर करने और ऑनलाइन सामान मंगाने से बचें.
हर घंटे में एक बार अपने हाथों को धोएं चाहे ऑफ़िस में हों या घर पर.

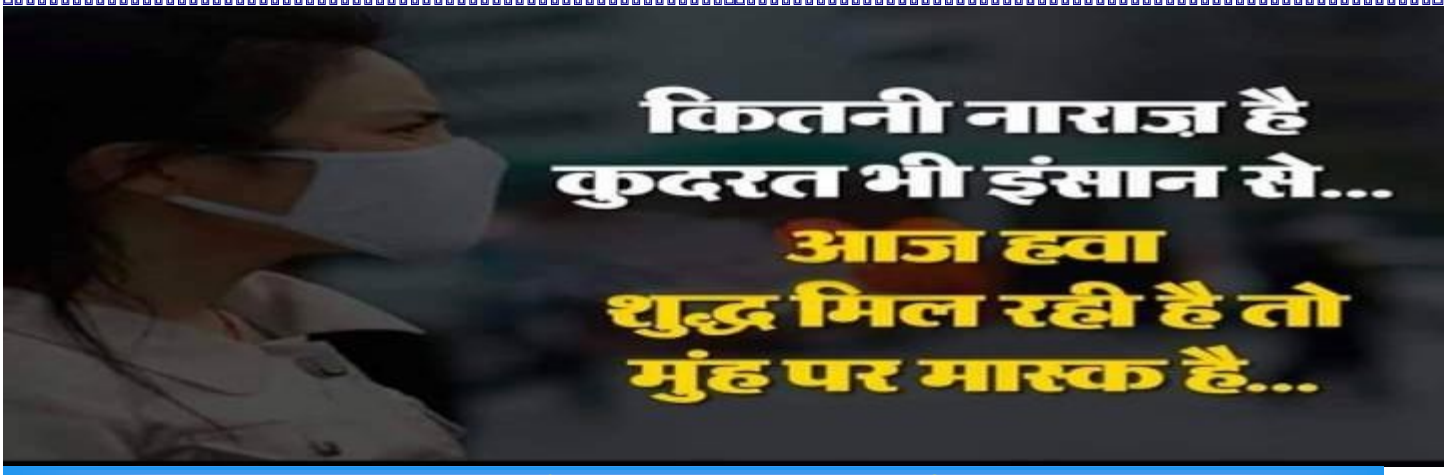
कितनी नाराज़ है
कुदरत भी इंसान से...
आज हवा
शुद्ध मिल रही है तो
मुंह पर मास्क है...

क्या करें, क्या न करें.....

अपने हाथों से मुंह को न छुएं.
ये बात अपने बुज़ुर्गों और
बच्चों को भी बताएं.

घर में कूरियर/पार्सल के लिए एक
अलग टेबल रखें, ताकि डिलीवरी बॉय
आपका पार्सल सीधे वहीं रखे और
आप उस पैकेज को एक दिन तक न छुएं.

सबसे ज़रूरी बात खांसी या ज़ुकाम
होने पर डॉक्टर को ज़रूर दिखाएं.

पब्लिक ट्रांसपोर्ट और कैब आदि
से जितना हो सके सफ़र करने से बचें.

ऑफ़िस या मार्केट से आने के बाद
अपने पहने हुए कपड़ों को धोने के लिए
डाल दें और अपने हाथों-पैरों को अच्छे से धोएं.

दूध का पैकेट पहले अच्छे से
धोएं और अपने हाथों को भी
धोएं उसके बाद ही बर्तन में पलटें.

डोर बेल को रोज़ाना 3-4 बार
क्लीनिंग लिक्विड से साफ़ करें.

घर रोज़ दो बार फ़्लोर क्लीनर
से पोछा लगाएं.

यूको बैंक मित्र

बैंकमित्रों द्वारा ग्राहक
सेवा केन्द्रों के माध्यम से
दी जा रही सुविधा

अर्थव्यवस्था और बैंकिंग के बदलते परिदृश्य में हिंदी भाषा की भूमिका

भारत कृषि प्रधान देश है| कभी सोने की चिड़िया कहलाने वाला भारत आज विकसित अर्थव्यवस्था की तलाश में विकासशील देशों की पंक्ति में खड़ा है| स्वतंत्राप्राप्ति के पश्चात अर्थव्यवस्था मे कृषि का योगदान जहां 60 प्रतिशत था वह स्थान आज सेवा क्षेत्र ले रहा है और दिन प्रति-दिन अर्थव्यवस्था मे कृषि का योगदान निरंतर घटता जा रहा है| यदि हम वर्तमान परिदृश्य की बात करें तो विगत वर्षों मे हमारी अर्थव्यवस्था मे निरंतर एक सीमा तक उतार चढ़ाव देखने को मिला है और अभी भी हम विकसित अर्थव्यवस्था को प्राप्त करने के लक्ष्य से काफी दूर है|

वैश्वीकरण के इस युग में संपूर्ण विश्व एक गांव के रुप में विश्व पटल पर उभरकर सामने आया है। सभी देश कारोबार एवं व्यापार के लिए एक-दूसरे से बेहतर संबंध बनाते हुए आगे बढ़ रहे है। अर्थव्यवस्था की रीढ़ कही जाने वाली कृषि का स्थान सेवा क्षेत्र ने ले लिया है| सेवा क्षेत्र मे बैंकिंग प्रणाली, देश की विकास प्रक्रिया मे महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है साथ ही देश की आर्थिक स्थिरता बनाएँ रखने मे अहम दायित्व का निर्वहन करती है| यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारी अर्थव्यवस्था मे विकास गति जारी है, बैंकिंग क्षेत्र को सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर की तुलना में, उच्च दर से बढ़ने के आशा-अनुरूप देखा जाता है। आर्थिक आयोजन के वर्तमान युग में कृषि, उद्योग एवं व्यापार के विकास के लिए बैंक एवं बैंकिंग व्यवस्था एक अनिवार्य आवश्यकता बन गयी है।

आज हमारी केंद्र सरकार की 2024 तक पाँच ट्रिलिअन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की योजना है | आर्थिक सर्वे के अनुसार यह लक्ष्य प्राप्त करने हेतु सकल घरेलू उत्पाद की दर वर्तमान और आने वाले दिनों मे 8% से अधिक दर से प्राप्त करनी होगी तभी इस संकल्प को प्राप्त किया जा सकता है | वर्तमान अर्थव्यवस्था मे सेवा क्षेत्र का योगदान 53% से अधिक है और इसमे बैंकिंग के सहयोग के बिना रोजगारपरक व्यवसाय की कल्पना अधूरी है जो की अर्थव्यवस्था के सुदृढीकरण के लिए अत्यंत आवश्यक है| बैंकिंग व्यवस्था को किसी भी समाज या राष्ट्र के आर्थिक जगत की धूरी कहा जाता है| सामाजिक परिवर्तनों के साथ-साथ आवश्यकताएँ, आकांक्षाएँ और अभिलाषाएँ भी परिवर्तित होती हैं जिससे नव चेतना, नव उमंग का आविर्भाव होता है| इसके परिणामस्वरूप बैंकिंग को भी तदनुसार परिवर्तन करना पड़ता है|

विगत वर्षों कि बात करें तो भूमंडलीकरण के साथ-साथ देशगत परिस्थितियों ने भी बाजार के स्वरूप में लगातार परिवर्तन किया है| इन परिवर्तनों से जनसामान्य के जीवन पर भी प्रभाव डाला जिसके परिणामस्वरूप उनके आर्थिक जीवन में भी प्रगति की नई किरणों ने प्रकाश भरना शुरू किया और फिर आरंभ हुआ नवधनाड्य वर्ग का, जिसने उपभोक्तावाद संस्कृति को बढ़ावा दिया | हमारे देश की उदार आर्थिक नीतियों से देश के बाज़ारों मे, विश्व बाजार का समावेश हुआ जिससे बाजार में नए उत्पादों के आगमन के कारण जनसामान्य में इनके प्रति आकर्षण पैदा होने लगा| देश की आर्थिक स्थिति मे सुधार होने की प्रक्रिया से जीवन शैली में वैभव की झलक मिलने लगी तथा बेहतर सुख और

जारी है ...

अर्थव्यवस्था और बैंकिंग के बदलते परिदृश्य में हिंदी भाषा की भूमिका

सुविधाओं की मांग बढ़ने लगी| इस प्रकार की आर्थिक प्रगति, सामाजिक परिवर्तन आदि ने जनसामान्य के मन में नए सपने सजाने शुरू किए तथा हैसियत से बढ़कर जीने की ललक ने व्यक्ति को बैंकों की ओर मुड़ने पर विवश किया| बैंकों ने इस स्थिति का भरपूर लाभ उठाया और नई-नई योजनाओं के साथ बेहतर सेवा प्रदान कर ग्राहक आधार बनाने लगे |

जब हम वर्तमान भारतीय बैंकिंग कारोबार तथा वित्तीय क्षेत्र की ओर दृष्टिपात करते हैं तो पाते हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में ही नहीं वरन् शहरी क्षेत्रों में भी जनता में वित्तीय साक्षरता का अभाव है। किसी भी देश के पूँजी बाज़ार का सशक्त होना उसकी सुदृढ आर्थिक स्थिति को दर्शाता है परन्तु भारत में पूँजी बाज़ार में केवल अंग्रेज़ी का बोलबाला होने से कमाने वाले लगभग 83% भारतीयों को यह नहीं मालूम कि शेयर बाज़ार क्या है और क्यों है? शहरी क्षेत्र में 2.50 लाख रुपए प्रति माह कमाने वालों में से लगभग 50% लोगों को शेयर बाज़ार के बारे में कुछ पता नहीं है। इसी प्रकार इक्विटी, म्युच्युल फंड, वित्तीय प्लानिंग , बीमा, मैडिक्लेम, पॉलिसी, टर्म प्लान आदि के बारे में भी बहुत कम जानकारी है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि वित्त के विभिन्न साधनों, प्रौद्योगिकी के उपयोग, अवसरों की विविधता, बाज़ार सह-बद्ध मूल्यों आदि के बारे में जानकारी/ जागरूकता नगण्य है। इसका मुख्य कारण इन क्षेत्रों में हिंदी एवं भारतीय भाषाओं में सामग्री नहीं होना है। **संसार के सभी सभ्य और स्वाधीन देश अपना काम अपनी भाषा में करते हैं,पर भारत इसका अपवाद है।** एक सर्वेक्षण के अनुसार म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों की संख्या केवल 45 मिलियन है जो देश की जनसंख्या का मात्र 4% ही है| इक्विटी आदि में सीधे निवेश करने वालों की संख्या में भी हम काफ़ी पीछे हैं| भारत में डीमैट खाताधारियों की संख्या मात्र 15 मिलियन है| देश की 80% आबादी अभी जीवन बीमा, स्वास्थ बीमा एवं सामान्य बीमा के कवरेज से बाहर है| देश के मात्र 10 % लोगों के पास जीवन बीमा पॉलिसी है तो केवल 0.6% ही गैर जीवन बीमा के अंतर्गत कवर हो पाए हैं| इसका मुख्य कारण वित्तीय साक्षरता का प्रभावी कार्यान्वयन नहीं होना है| इन सभी पिछड़ेपन के पीछे एक सार्वजनिक भाषा का अल्प-विकास माना जा सकता है जिसकी भरपाई हिंदी और भारतीय भाषाओं के माध्यम से ही संभव है|

यदि बैंकिंग क्षेत्र के आकड़ों पर चर्चा करें तो वर्ष, 2013 तक देश में प्रति 100 व्यक्तियों में से सिर्फ़ 31 व्यक्तियों और प्रति 100 वयस्क व्यक्तियों में सिर्फ़ 59 व्यक्तियों के पास बैंक खाता था| देश के 51 % किसानों को बैंकिंग या अन्य वित्तीय साधनों से ऋण सुविधा नहीं मिल पाती है क्योंकि वे बैंकिंग की जटिल प्रक्रिया और भाषाई अवरोध के कारण साहूकारों के पास जाना ज़्यादा पसंद करते हैं | बैंकिंग क्षेत्र में वर्तमान सरकार की प्रधानमंत्री *जन-धन योजना* परिवर्तन का उदाहरण प्रस्तुत करती है जब देश में 25 करोड़ नए बैंक खाते खोले गए| जन-धन योजना के तहत 22 करोड़ से अधिक खाते खुले, योजना की घोषणा होने पर 12 करोड़ से अधिक खाते तो 6 माह में ही खुल गए थे। ये खाता खुलवाने वाले अधिकतर आम गरीब मज़दूर, छोटे किसान थे, यह सब हिंदी की सर्वसुलभता, आम बोलचाल की भाषा के कारण ही हुआ| बैंक का कारोबार बढ़ा, ग्राहक संख्या का व्यापक विस्तार हुआ, जन-जन तक पहुंचने पर बैंक की स्वीकार्यता बढ़ी। सभी वित्तीय संस्थानों ने, हिंदी के महत्व को, हिंदी की महत्ता को अमीर-गरीब, बड़े-छोटे, सभी ने अनुभव किया, महसूस किया।

जारी है ...

अर्थव्यवस्था और बैंकिंग के बदलते परिदृश्य में हिंदी भाषा की भूमिका

इन्हीं सब वर्गों के ग्राहकों ने ही हिंदी की सुलभता, सरलता को अपना कर, जुड़ कर, आज बैंकिंग व अन्य वित्तीय संस्थानों के क्षेत्र को व्यापक आकाश में दैदीप्यमान कर दिया है। इस योजना की सफलता का मुख्य कारण हिन्दी एवं भारतीय भाषाओं के प्रयोग द्वारा सुदूर क्षेत्रों के जन-जन तक पहुँचने को माना जाता है| इस योजना के लिए '**मेरा खाता – भाग्य विधाता** ' जैसे स्लोगन अत्यंत कारगर सिद्ध हुए|

इस स्थिति को भाँपते हुए निजी क्षेत्र के बैंकों ने रिटेल व्यवसाय को बढ़ाने के उदेश्य से अर्द्धशहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवेश कर अपना अंग्रेज़ी चोला उतार फेंका है और वे राष्ट्रीयकृत बैंकों को चुनौती दे रहे हैं| मार्केटिंग में अपनी गढ़ी हुई हिंदी को स्थापित करने की होड़ मची हुई है| बैंकिंग व्यवहार में कोर बैंकिंग सॉल्यूशन में भी हिंदी का समावेश कर बैंकों ने वित्तीय प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक नए भाषाई परिवेश की शुरुआत की है| इलैक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया ने भी हिंदी की आर्थिक पत्रकारिता के क्षेत्र में दस्तक देकर व्यावसायिक हिंदी के मुहावरे को लोकप्रिय बनाने की पुरजोर कोशिश की है| *इस प्रकार व्यापार व्यवसाय के बाह्य जगत में तो हिंदी और भारतीय भाषाएँ दिखाई देने लगी हैं किंतु इनके आंतरिक कार्यों में अभी भी अंग्रेज़ी का ही बोलबाला है| इनकी नीतियाँ और उनके पालन में हिंदी का उपयोग नगण्य है| हिंदी और भारतीय भाषाओं का प्रयोग केवल तात्कालिक व्यावसायिक हितों को साधने के उदेश्य से हो रहा है|* हमारे सामने सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि भारत में भारतीय भाषाओं और अंग्रेज़ी के प्रयोग के बीच संतुलन कैसे स्थापित करें? ऐसा संतुलन जिसके आधार पर हम देश के अधिकाधिक लोगों की भागीदारी वित्तीय एवं आर्थिक क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए कर सकें |

यह पक्ष पूर्णतः स्पष्ट है कि भारत में राष्ट्रीयकृत बैंक मूलत: मास बैंकिंग का अंग हैं जहां जनता के व्यापक समूह की सक्रियता सहज ही देखी जा सकती है। सामान्य तौर पर बैंकिंग में अंग्रेजी मूल भाषा है, लेकिन जनता के लिए हिंदी के साथ-साथ अन्य क्षेत्रीय भाषा के उपयोग की व्यवस्था है। यह सच है कि हिंदी का प्रयोग बढ़ा है, परंतु इसके शत-प्रतिशत प्रयोग मे अनेक समस्याएँ प्रदर्शित होती है| बैंकिंग की भाषा संबंधी समस्या को **मानकीकरण** के सहायता से हल करने का प्रयत्न किया गया है। *मानकीकरण से संचार तो हो जाता है, लेकिन जातीय और क्षेत्रीय बोली व भाषा का विकास बाधित प्रतीत होता है।*

इस तरह के मानकीकरण के कारण जो भाषायी अंतर्विरोध पैदा होते हैं, वे अंतत: मानक भाषा को बढ़त दिलाते हैं| बैंकिंग भाषा की समस्याओं को विभिन्न मंचों पर नजरअंदाज किया जाता रहा हैं। प्रतिदिन हम अंगरेजी दो-चार शब्द सीख लेते हैं परंतु हिंदी के बेहतर शब्द इस्तेमाल नहीं करने के कारण अपनी ही भाषा के 2-4 शब्द भूलते जा रहे हैं। **भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर डॉ. डी सुब्बाराव के अनुसार देश में बैंकिंग का कारोबार हिंदी या भारतीय भाषाओं के बिना नहीं किया जा सकता।**उनका कहना था कि हम ग्राहकों तक उनकी अपनी भाषा में ही बात करके बेहतर बैंकिंग सेवाएं पहुंचा सकते हैं और हिंदी आम आदमी तक पहुंचने में बड़ी भूमिका निभा सकती है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों मे कहा कि हिंदी के बिना

जारी है ...

अर्थव्यवस्था और बैंकिंग के बदलते परिदृश्य में हिंदी भाषा की भूमिका

बैंकिंग व्यवसाय प्रगति नहीं कर सकता, साथ ही हिंदी को बढ़ावा देना हमारी वैधानिक ही नहीं, नैतिक जिम्मेदारी भी है। वर्तमान मे "डोर स्टेप बैंकिंग" के माध्यम से हम बैंकिंग सुविधा को जन-जन के दरवाजे तक पहुंचा रहे हैं और इस काम में क्षेत्रीय भाषाएं या हिंदी अहम भूमिका निभाती है।

पिछले दो दशक में बैंकिंग व अन्य वित्तीय संस्थानों का स्वरूप काफी बदल गया है। घंटों-घंटों कतार में खड़े रहने वाला, थका देने वाला माहौल आज कितना आसान हो गया है| नई तकनीक के प्रचार व प्रसार, उसकी महत्ता, गुण, उपयोगिता ने आज मानव को उसके घर में ही सीमित कर, उसे पूरी तन्मयता के साथ नये-नये साधनों का प्रयोग करते हुए, एक छोर से दूसरे छोर तक संपर्क करने व लेन-देन करने के योग्य बना दिया है। आज तकनीक चाहे कितनी भी आधुनिक हो जाए, नये-नये आयामों को प्राप्त कर ले, फिर भी मूल इकाई भाषा ही है ,जिससे हम लक्ष्यों को प्राप्त कर कारोबार बढ़ा सकते है| **ग्राहक ,उपभोक्ता, एक आम आदमी**,जो हिन्दी ही जानता, समझता और बोलता है उसके साथ उसी की भाषा मे व्यवसाय किया जा सकता है और हम देश की अर्थव्यवस्था के लिए उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर सकते है|

भारत गांवों में बसता है और सबसे अधिक आवश्यकता इन्हीं ग्रामीण लोगों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ने की है| यह वर्ग अधिकांश हिंदी भाषा ही समझता और बोलता है। आज बैंकिंग व अन्य वित्तीय व्यवसाय में प्रतिस्पर्धा, चुनौती, आगे बढ़ने की होड़ है, क्षेत्र विस्तृत होता जा रहा है, तो ऐसे में तो हिंदी का महत्व और भी बढ़ जाता है। जो भी तकनीक आम आदमी से जुड़ा है, उसमें असीम वृद्धि की हमारे यहां गुंजाइश भी है और अपेक्षा भी। हमारी अर्थव्यवस्था उठान पर है, तथा तकनीक का प्रयोग करने वालों की संख्या में आश्चर्यजनक बढ़ोतरी बैंकिंग व अन्य वित्तीय संस्थानों में हिंदी को महत्व को देने तथा उसके प्रचार-प्रसार के कारण ही है। आज सभी सरकारी व निजी बैंको, बीमा संस्थाओं में भी प्रयोग में आने वाली सभी समग्रियाँ, दस्तावेजी काम अधिकतर हिंदी में है, या हिंदी-अंग्रेजी में है| यहां तक कि विदेशी बैंक भी हिंदी का एक स्तर तक प्रयोग कर रहे हैं। फरबरी, 2020 से एनएसडीएल अपने अभिदाताओं को ध्यान मे रखते हुए अपने मासिक न्यूज लेटर को भी द्विभासिक कर दिया है| वित्तीय व्यवसाय में हिन्दी को तभी सम्पूर्ण महत्व मिल पाएगा, जब सूचना प्रौद्योगिकी को अपने अंदर आत्मसात कर लेगी| यह तकनीक भी अपने प्रवाह के लिए भाषा का माध्यम ढूंढती है और जनभाषा से बेहतर कोई अन्य सशक्त माध्यम नहीं हो सकता। आज हम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा अपने घर पर या कार्यालय में बैठे अपने अन्य कार्यालयों में काम कर रहे लोगों से संवाद कर सकते हैं। यह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग अधिकतर हिंदी में ही होती है। आम कम्प्यूटर उपभोक्ता के कामकाज से लेकर डाटा बेस तक में हिंदी पूरी तरह उपलब्ध है। यह बात अलग है कि अब भी हमें बहुत दूर जाना है, बहुत आगे जाना है, पर एक बड़ी शुरुआत हुई और इसे होना ही था। आज घर बैठे, भाषा चयन करके मोबाइल, लैपटॉप पर बैलेंस, स्टेटमेंट देखना, नेट बैंकिंग के माध्यम से लेन-देन करना, कितना आसान हो गया है सब-कुछ,वो भी सब हिंदी में। आखिर जन-जन की भाषा-हिंदी, दुलारी हिंदी, करोड़ों लोगों की हृदय स्पंदन कैसे पीछे रह सकती है। बैंकिंग व अन्य वित्तीय व्यवसाय में

जारी है ...

अर्थव्यवस्था और बैंकिंग के बदलते परिदृश्य में हिंदी भाषा की भूमिका

हिंदी के महत्व को बढ़ाता यह अनवरत निरंतर प्रयास, कवि दुष्यंत की यह पंक्तियां ही दोहराता सा लगता है|

"कौन कहता है, आसमां में सुराग नहीं हो सकता,
एक पत्थर तो तबियत से उछालो यारों।"

तबियत से उछाला गया यह पत्थर ईमानदारी,निष्ठा,आत्मविश्वास से भरा प्रयास एक दिन हिंदी को आसमान की ऊंचाईयों तक ले जाएगा। हिंदी का अधिकतम प्रयोग ही, बैंकिंग व अन्य वित्तीय व्यवसाय को प्रगति देगा, उन्नति के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा, आखिर अधिकांश लोगों की भाषा, जन-जन की भाषा को कैसे नकार सकते हैं। हमें तो स्वयं को हिंदी के प्रयोग में ढालना ही होगा| यह तो अपरिहार्य है, कारण स्पष्ट है, हमारे पास संख्या बल है, युवा शक्ति है, पढ़े-लिखे, समझदार और मातृभाषा हिंदी को महत्व देने वालों की विशाल तादाद है। अगर इन विशाल जनमानस तक पहुंचना है, बैंकिंग व अन्य वित्तीय व्यवसाय में निरंतर विस्तार लाना है, लाभप्रदता बढ़ानी है, विकास की ऊंचाइयों को छूना है, रोजमर्रा के काम में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना ही होगा, सरलतम, सुलभ ढंग से नित नई तकनीक का प्रयोग कर, भाषा के माध्यम से आम-जन तक अपनी स्वीकार्यता बढ़ाकर ही बैंकों व अन्य सभी वित्तीय संस्थानों के लिए अपने लक्ष्यों को पाना आसान होगा।

आज वित्तीय क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा विस्तृत, विशाल व असीमित है। प्रतिदिन एक नई तकनीक का आविष्कार होता है। ग्राहक की अपेक्षा व महत्वाकांक्षा दिनोदिन बढ़ती ही जा रही है। यह ग्राहक अधिकतर हिंदीभाषी हैं| अंग्रेजी के वर्चस्व के बावजूद भी हिंदी का भविष्य उज्जवल है। राष्ट्रीयता की भावना, राष्ट्रभाषा के प्रति अगाध प्रेम इन संभावनाओं को कभी मिटा नहीं सकती। इससे एक नया आयाम और आकार मिलेगा। हम सब मिल कर इसे एक नया जोश प्रदान करेंगे| जो बातें, जो चीजें कभी परी लोक की कल्पनाएं लगती थीं, आज मूर्त व साकार रूप ले रहीं है। यह सच है कि नित नए बदलाव के युग में हिंदी के वर्चस्व की संभावनाएं अनंत हैं। इनका कभी अंत नहीं होगा। नित नई संभावनाएं जन्म लेती है और लेती रहेंगी। जब सुलभ,आसान,सरल तकनीक से परिपूर्ण व्यवस्था होगी,तो यह महत्व अनवरत रूप से स्वमेव ही बढ़ता जाएगा, और यही तो हमारी अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों के पार ले जाएगा। नित नई आशाओं को मूर्त रूप देने में हिंदी की महती भूमिका उद्घोषित होगी और हिन्दी की यही भूमिका ही नए रंग व नये आयाम में प्रस्तुत होगी। इरादा मजबूत हो तो हर चुनौती का पूर्ण समाधान होगा। इरादों को कभी बांधा नहीं जा सकता-

"बांधे जाते इंसान कभी,
तूफान न बांधे जाते हैं।
काया जरूर बांधी जाती,
बांधे न इरादे जाते हैं।"

जारी है ...

अर्थव्यवस्था और बैंकिंग के बदलते परिदृश्य में हिंदी भाषा की भूमिका

निष्कर्षत: अर्थव्यवस्था और बैंकिंग के वर्तमान के बदलते परिदृश्य में हिंदी भाषा के संदर्भ मे यह कहा जा सकता है कि देश की आर्थिक उन्नति मे बैंक का अहम योगदान है और बैंकिंग की व्यवसाय वृद्धि हिन्दी के बिना कल्पना नहीं की जा सकती | जैसा कि हमारे प्राचीन भारतीय साहित्य में कहा भी गया है कि:-

मातृभाषा परित्यज्य यों अन्य भाषामुपासते
तत्र यांति हि ते देश: यत्र सूर्यों न भास्ते।

अर्थात जो अपनी मातृभाषा को छोड़कर अन्य भाषा की उपासना करता है, वह देश अंधकारमय हो जाता है। कहने का तात्पर्य यह है कि देश के आर्थिक ही नहीं समुचित विकास की कल्पना मातृभाषा के उत्थान के बिना नहीं की जा सकती | हमें सिर्फ हिंदी में ही कार्य द्वारा सन्तोष नहीं करना है, बल्कि लोगों के दिल तक घर करना है। ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचना है, हमारी पहुंच का आधार व्यापक,विस्तृत और विशाल, इरादे मजबूत और दृष्टि मे गहराई होगी तभी दृढ़ निश्चय, कर्मठता, निष्ठा फलीभूत होगा और हमारी अर्थव्यवस्था प्रखर होगी|

हिंदी को प्रोत्साहित करना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि बैंकिंग का पिछड़ापन अधिकांशतः हिंदीभाषी इलाकों में ही है। बदलते वित्तीय परिवेश में हिंदी को जितना अधिक लोगों के बीच लाएंगे, उन्हें हर बात हिंदी में ही समझायेंगे, तभी वह दिल से-मन से जुड़ पाएंगे। वह आपके कार्य, व्यवहार की, योजनाओं की चर्चा करेंगे और लोग जुड़ते चले जाएंगे| अभी तक कार्यालयों मे हिन्दी का सीमित उपयोग किया जा रहा है जब हम हिन्दी को कार्यालयीन कार्यों मे आत्मसात कर लेंगे तो वो दिन दूर नहीं जब भारत विश्व अर्थव्यवस्था के समक्ष नए चेहरे के साथ अवतरित होगा|

हिंदी की सरलता एवं वैज्ञानिकता से परिचित होते हुए भी आज़ादी के 73 वर्ष बाद भी हमारा अधिकांश कार्यालयीन कार्य अंग्रेजी में हो रहा है| कार्यालयीन कर्मचारियों को इस बात का अभी तक एहसास नहीं है कि हिंदी जानना, बोलना और लिखना पिछड़ेपन की निशानी नहीं, अपितु यह तो गरिमामयी राष्ट्रीय अभिव्यक्ति है। हिंदी राष्ट्रीय गौरव और अस्मिता का प्रतीक ही नहीं, भारत की आत्मा की आवाज़ है| यही आवाज़ बैंकिंग व अन्य वित्तीय व्यवसाय में हिंदी की महत्ता को समझते हुए जब गुंजायमान होगी, तो हिंदी हिन्द का गौरव होगी, माँ भारती के माथे का तिलक होगी। जब हिंदी का बैंकिंग व अन्य वित्तीय संस्थानों में भरपूर प्रयोग होगा, जन-जन तक लोगों को अपनी भाषा में योजनाओं की जानकारी मिलेगी, उनका लाभ उठा कर, अपने व्यवसाय को, रोजगार को, अपनी दुकान ,अपने कार्य को बढ़ावा देकर गति देंगें,तो देश भी प्रगति के रास्ते पर चल दौड़ेगा और हम सुदृढ़ अर्थव्यवस्था के सपनों को पूरा कर पाएंगे| तभी हम उम्मीदों के आसमाँ को अपने कदमों में ला पाएंगे साथ-साथ राष्ट्र का भी विकास होगा, तरक्की के रास्ते पर अग्रसर होगा, विश्व की बुलंदियों पर अपने भारत का नाम स्वर्ण अक्षरों मे अंकित होगा|

***

सूरज कुमार
वरिष्ठ प्रबंधक राजभाषा

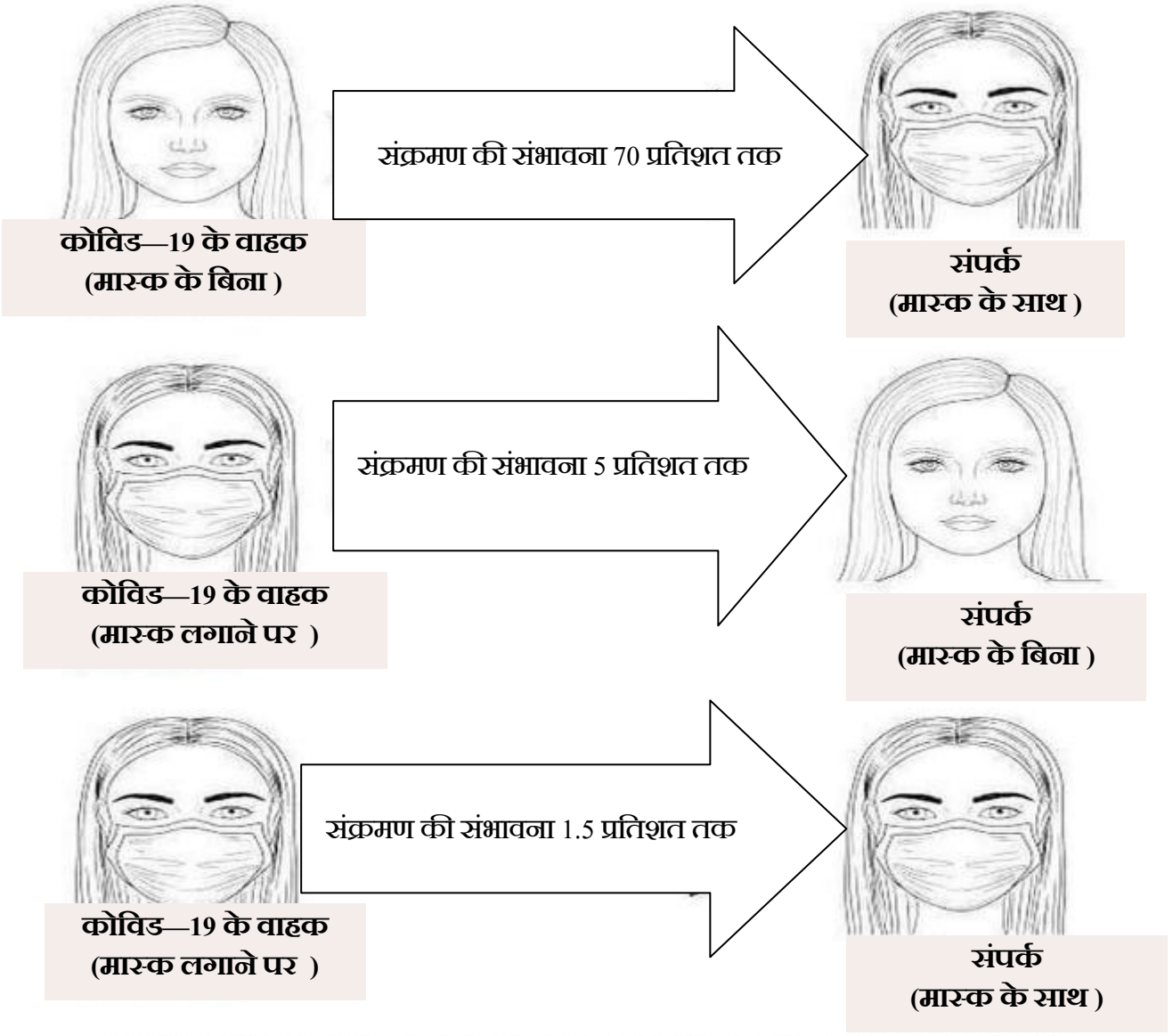

कोविड—19 नामक वायरस से संक्रामण से सुरक्षा हेतु मुखावरन (मास्क) का प्रयोग अवश्य करें, बिना मास्क के किसी भी सार्वजनिक स्थानों पर जाने से बचें |

रचनाएँ आमंत्रित हैं

आप सभी से अनुरोध है कि "यूको मासिकी " के आगामी अंक के लिए शाखा/कार्यालय स्तर पर आयोजित विभिन्न बैंकिंग गतिविधियों का विवरण, इसकी तस्वीरें, पेपर कटिंग तथा अपनी रचनाएँ (यथा- कविता, लघुकथाएँ एवं आलेख आदि) अपने पासपोर्ट साइज के फोटो के साथ अंचल कार्यालय की आधिकारिक ईमेल आईडी zo.bhagalpur@ucobank.co.in और राजभाषा विभाग अंचल कार्यालय की आधिकारिक ईमेल आईडी zobhagalpur.ol@ucobank.co.in पर **"यूको मासिकी" में प्रकाशनार्थ सामग्री / Material for publishing in UCO masiki"** शीर्षक के साथ प्रेषित करें I

धन्यवाद !